राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 15 मई 2025 वर्ष-8,अंक-85 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीनों सेनाध्यक्षों व सीडीएस ने राष्ट्रपति को दी 'ऑपरेशन सिंदूर' की जानकारी

नई दिल्ली । चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) व तीनों सेनाध्यक्ष बुधवार को राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां सीडीएस और तीनों सेनाध्यक्षों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़ी जानकारी साझा की गई।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति तीनों सेनाओं आर्मी, नेवी और एयरफोर्स की सुप्रीम कमांडर हैं। इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिक्रिया को सफल बनाने में सशस्त्र बलों के साहस और समर्पण की सराहना की। राष्ट्रपति ने सैन्य बलों के इस अभियान को एक गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी व नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव बताए व इससे विस्तृत जुड़ी जानकारी दी।

22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या की थी। इसके बाद भारतीय सेनाओं ने आतंकवादियों के खात्मे के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान और पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए गए। सेना के मुताबिक इन हमलों में सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। सेना द्वारा किए गए इस ऑपरेशन की जानकारी राष्ट्रपति को दी गई है।

भारतीय सेना ने केवल आतंकवादियों और आतंकवादी ठिकानों को अपना निशाना बनाया था। इस दौरान पाकिस्तान के किसी भी सैन्य या नागरिक ठिकाने पर हमले नहीं किए गए। लेकिन पाकिस्तान आतंकवादियों के समर्थन में खड़ा हुआ और पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सैन्य और नागरिक ठिकानों को टारगेट करने की कोशिश की। हालांकि भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के सभी हमलों को विफल कर दिया। इतना ही नहीं भारतीय सेना के जवाबी हमले में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा, उसकी एयर डिफेंस प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तानी सेना अपने कई एयरबेस की भी रक्षा नहीं कर सकी।

माना जा रहा है कि सैन्य ऑपरेशन से जुड़ी अब इन सभी कार्रवाइयों की पूरी जानकारी राष्ट्रपति को दी गई है। इससे पहले मंगलवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की थी। यह मुलाकात नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति एनक्लेव में हुई थी।

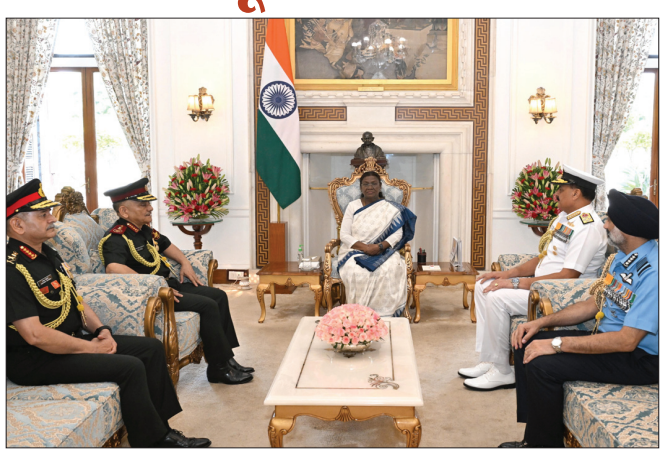

विदेश मंत्री जयशंकर को मिली बुलेटप्रूफ कार, सुरक्षा भी बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में बैठे आतंकियों को करारा जवाब देने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत किया गया है। खासतौर से विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्हे बुलेटप्रूफ कार दी गई और कमांडो भी तैनात किए गए हैं। दिल्ली में उनके आवास के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जयशंकर को पहले से ही जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है, जो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कमांडो द्वारा प्रदान की जाती है। उनकी सुरक्षा के लिए 33 कमांडो की एक टीम चौबीसों घंटे तैनात रहती है। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद से विदेश मंत्री एस जयशंकर लगातार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठकों में शामिल होते रहे हैं। उन्होंने आतंकवाद और पाकिस्तान की नीतियों के खिलाफ लगातार बयान भी दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने रविवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में वीआईपी नेताओं की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की थी। बैठक में उन नेताओं को विशेष सुरक्षा देने पर चर्चा हुई जिन्होंने हाल के दिनों में पाकिस्तान के खिलाफ कड़े बयान दिए थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बीजेपी के करीब 25 प्रमुख नेताओं की सुरक्षा की भी समीक्षा की जाएगी। इनमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, भूपेंद्र यादव, सांसद निशिकांत दुबे, सुधांशु त्रिवेदी और वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी शामिल हैं।

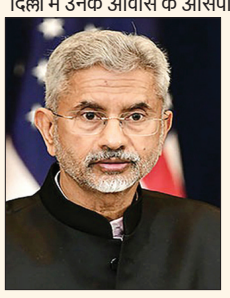

चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदले, भारत ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अविभाज्य हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदले हैं, जिस पर भारत की ओर से आपत्ति जताई गई है। भारत ने कहा कि नए नाम गढ़ने से यह सच्चाई नहीं बदलेगी कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा, 'हमने देखा है कि चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों को जारी रखा है। हमारी सैद्धांतिक स्थिति के अनुरूप हम ऐसी कोशिशों को पूरी तरह खारिज करते हैं। नए नाम गढ़ने से यह सच्चाई नहीं बदलेगी कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा।' चीन ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने का निर्णय ऐसे समय में किया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ दिनों तक चले तनाव के बाद युद्धविराम की घोषणा की गई थी। चीन, भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता है।

अब संन्यास के बाद सियासत की पारी खेलने की तैयारी कर रहे रोहित शर्मा?

मुंबई (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले चुके क्रिकेटर रोहित शर्मा अब सियासी की पारी खेलने की कोशिश में दिखाई दे रहे हैं। इस तरह की अटकलों का दौर उस वक्त शुरु हो गया जब वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने उनके सरकारी आवास 'वर्षा' पहुंचे। इस मुलाकात के बाद अटकलों का बाजार गर्म हो गया। कयास लगाए जाने लगे हैं कि क्या रोहित शर्मा भी बीजेपी में शामिल होने वाले हैं वैसे संन्यास लेने के बाद क्रिकेटर्स का पॉलिटिक्स जॉइन करना कोई नई बात नहीं है। पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन से लेकर विनोद कांबली और नवजोत सिंह सिद्धू तक ऐसे तमाम खिलाड़ी हैं, जिन्होंने राजनीति को अपनी दूसरी पारी बनाई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'पर शेयर की। 'देवा' साथ में लिखते हैं, 'भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा का मेरे सरकारी आवास में स्वागत। उनसे मिलकर और बातचीत करके खुशी हुई। मैंने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर शुभकामनाएं दीं और उनके करियर के अगले अध्याय के लिए भी कामना की!' रोहित शर्मा ने 7 मई को तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी, जिससे सबसे लंबे प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर सभी अटकलें खत्म हो गईं। यह 38 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे भाग में भारत के सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाजों में से एक था।

केंद्र ने पाक हाईकमीशन अफसर को भारत छोड़ने को कहा, 24 घंटे का दिया समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। केंद्र ने दिल्ली में एक पाकिस्तान हाई कमीशन के अफसर को पॉर्सोना नॉन ग्रेसा घोषित कर दिया है। इसका मतलब है कि अब वह अधिकारी भारत में नहीं रह सकते हैं। उन पर ऐसे काम करने का आरोप है जो उनके पद के हिसाब से सही नहीं था। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उस अफसर को 24 घंटे के अंदर भारत छोड़ना होगा। पाकिस्तान हाई कमीशन के संबंधित विभाग को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। पॉर्सोना नॉन ग्रेसा जिसका आसान भाषा में मतलब होता है अवांछित व्यक्ति यानी, कोई ऐसा व्यक्ति जिसे किसी खास जगह, देश या समूह में अब पसंद नहीं किया जाता या स्वीकार नहीं किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय मामलों में जब कोई देश किसी को पॉर्सोना नॉन ग्रेसा घोषित करता है। पॉर्सोना नॉन ग्रेसा का मतलब है कि उस व्यक्ति को देश से निकाला जा रहा है। ये राजनयिकों के लिए सजा मानी जाती है।

न्यायमूर्ति गवई ने ली उच्चतम न्यायालय के 52वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यायमूर्ति बी आर गवई ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय के 52वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें एक समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, अनेक केंद्रीय मंत्री, शीर्ष अदालत के न्यायाधीश और उच्च न्यायालय के कई पूर्व न्यायाधीश समेत अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति गवई की पत्नी और मां सहित परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने अपनी मां के पैर छुए। न्यायमूर्ति खन्ना मंगलवार यानी 13 मई को 51वें मुख्य न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर न्यायमूर्ति गवई को मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह 23 नवंबर, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 साल है। न्यायमूर्ति गवई का मुख्य न्यायाधीश बनना शीर्ष अदालत के इतिहास में मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि वह पूर्व मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन के बाद अनुसूचित जाति समुदाय से न्यायपालिका में शीर्ष पद पर पहुँचने वाले दूसरे शख्स हैं। न्यायमूर्ति गवाई एक प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, प्रमुख अंबेडकरवादी, पूर्व सांसद और कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके आर एस गवई के पुत्र हैं। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से बी.ए., एलएलबी की डिग्री पूरी करने के बाद 16 मार्च, 1985 को वकालत शुरू किया था। उन्होंने 1987 से 1990 तक बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्वतंत्र रूप से वकालत की। वर्ष 1990 के बाद मुख्य रूप से संवैधानिक कानून और प्रशासनिक कानून में बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के समक्ष वकालत की किया। न्यायमूर्ति गवई को 14 नवंबर, 2003 को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह 12 नवंबर, 2005 को बॉम्बे उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति गवई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई में मुख्य पीठ के साथ-साथ नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में सभी प्रकार के कार्यभार वाली पीठों की अध्यक्षता की।

महाराष्ट्र के पूर्व महाधिवक्ता और बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश स्वर्गीय बैरिस्टर राजा एस भोंसले के साथ 1987 तक (संक्षिप्त कार्यकाल) कानूनी करियर की नींव रखी। न्यायमूर्ति गवई शीर्ष अदालत में कई संवैधानिक पीठ के निर्णयों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें विमुद्रीकरण, अनुच्छेद 370, चुनावी बॉन्ड योजना और एससी/एसटी श्रेणियों के भीतर उप वर्गीकरण शामिल हैं। उन्होंने एससी/एसटी के बीच क्रीमी लेयर शुरू करने की पुरजोर वकालत की थी।

जेवर में देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को कैबिनेट की मंजूरी: हर महीने बनेंगी 3.6 करोड़ चिप्स

सीजफायर के बाद पहली पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई सीसीएस की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को प्रधानमंत्री आवास पर हुई केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक में उत्तर प्रदेश के जेवर में देश की छठी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को मंजूरी दे दी गई। इस यूनिट पर कुल लागत ?3706 करोड़ आएगी और यह एचसीएल और फॉक्सकॉन्न की साझेदारी में बनाई जाएगी।

इस नई यूनिट में मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, पर्सनल कंप्यूटर और अन्य डिजिटल डिवाइसों के लिए आवश्यक डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स का निर्माण किया जाएगा। अनुमान है कि यह प्लांट हर महीने 3.6 करोड़ चिप्स का उत्पादन करेगा। इस फैसले को भारत के सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता मिशन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद सरकार ने जानकारी दी कि यह परियोजना इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत मंजूर की गई है, जिसकी शुरुआत 2022 में की गई थी। इस मिशन के तहत अब तक 6 प्रमुख प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति मिल चुकी है। वर्तमान में निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए 270 शैक्षणिक संस्थानों और 70 स्टार्टअप्स को शामिल करते हुए एक प्रशिक्षण नेटवर्क तैयार किया गया है, जहां छात्र अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से इस तकनीक को सीख रहे हैं। जेवर में सेमीकंडक्टर यूनिट की मंजूरी तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों को और मजबूती देती है, वहीं सरकार का ध्यान सामाजिक आंकड़ों को लेकर भी स्पष्ट रूप से सक्रिय है।

करेंगुट्टा से नक्सल के खात्मे पर बोले अमित शाह

जिस पहाड़ पर लाल आतंक का राज था, वहां शान से तिरंगा लहरा रहा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस सप्ताह छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेंगुट्टा पहाड़ी पर 31 माओवादियों को मार गिराया गया जो भारत के सबसे बड़े माओवादी विरोधी अभियान का परिणाम है। सूत्रों ने बताया कि इस अभियान में 450 आईईडी और 40 हथियार भी बरामद किए गए। अभियान को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। सूत्रों ने बताया कि भारी मात्रा में गोला-बारूद, डेटोनेटर और विस्फोटक उपकरणों के अलावा 12,000 किलोग्राम अन्य सामग्री जैसे कि दवा और बिजली के उपकरण भी जब्त किए गए।

बुधवार को एक एक्स पोस्ट में, शाह ने कहा, 'एक समय लाल आतंक से शासित पहाड़ी, अब गर्व से तिरंगा लहराती है', और मार्च 2026 तक माओवाद को खत्म करने के सरकार के संकल्प को रेखांकित किया। शाह ने कहा कि नक्सल मुक्त भारत के संकल्प में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करते हुए सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के विरुद्ध अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के कुर्रगुट्टालू पहाड़ (KGH) पर 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया। जिस पहाड़ पर कभी लाल आतंक का राज था, वहाँ आज शान से तिरंगा लहरा रहा है। कुर्रगुट्टालू पहाड़ PLGA बटालियन 1, DKSZC, TSC & CRC जैसी बड़ी नक्सल संस्थाओं का एकीकृत मुख्यालय था, जहाँ नक्सल ट्रेनिंग के साथ-साथ रणनीति और हथियार भी बनाए जाते थे।

अमित शाह ने कहा कि नक्सल विरोधी इस सबसे बड़े अभियान को हमारे सुरक्षा बलों ने मात्र 21 दिनों में पूरा किया और मुझे अत्यंत हर्ष है कि इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों में एक भी हानि नहीं हुई। खराब मौसम और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में भी अपनी बहादुरी और शौर्य से नक्सलियों का सामना करने वाले हमारे CRPF, STF और DRG के जवानों को बधाई देता हूँ। पूरे देश को आप पर गर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम नक्सलवाद को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पित हैं। मैं देशवासियों को पुनः विश्वास दिलाता हूँकि 31 मार्च 2026 तक भारत का नक्सलमुक्त होना तय है।

विजय शाह पर 4 घंटे में दर्ज हो एफआईआर

कर्नल सोफिया कुरैशी पर बयानबाजी को लेकर उच्च न्यायालय ने दिया आदेश

छतरपुर (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में विवादित टिप्पणी करने पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य के मंत्री विजय कुमार शाह के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और अनुराधा शुक्ला की खंडपीठ ने कड़े शब्दों में आदेश देते हुए राज्य सरकार को चार घंटे के भीतर शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने और अनुपालन रिपोर्ट पेश करने के लिए बुधवार शाम 6 बजे तक की सख्त समय सीमा तय की।

शाह की टिप्पणी ने पूरे देश में हंगामा मचा दिया है, कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने उन्हें मंत्रिमंडल से तत्काल हटाने की मांग की है। मंगलवार को मंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के बावजूद, विवाद बढ़ता ही जा रहा है और व्यापक आलोचना हो रही है। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने दबाव की एक नई परत जोड़ दी है, जो संकेत देता है कि मामला अभी सुलझने से बहुत दूर है। इस बीच, मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जीतू पटवारी ने भी इस घटना को लेकर शाह के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। भोपाल में मीडिया से बात करते हुए पटवारी ने कहा कि हमने मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों की वीरता को सलाम किया और इस कठिन समय में उनके साथ एकजुटता व्यक्त की। फिर भी, मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने सेना के अधिकारियों और हमारी बहनों का अपमान किया। इस पर भाजपा चुप क्यों है?

अगर उन्हें 24 घंटे के भीतर बर्खास्त नहीं किया गया, तो हम देश भर के सभी पुलिस थानों में कुंवर विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे।' इस बीच, संकेत मिल रहे हैं कि मोहन यादव सरकार शाह के खिलाफ आगे की कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मंत्री को गुरुवार तक उनके पद से हटाया जा सकता है। हालांकि, भाजपा की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, जिससे राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण स्थिति अनिश्चित बनी हुई है।

भारत की स्ट्राइक में तबाह जैश हेडक्वार्टर को दोबारा बनवाएगा पाकिस्तान,

मसूद अजहर को 14 करोड़ रुपये का मुआवजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के प्रमुख मसूद अजहर को 14 करोड़ रुपये का मुआवजा देने की पेशकश कर सकते हैं। द ट्रिब्यून इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार अजहर ने अपने परिवार के 14 सदस्यों को खो दिया है और पाकिस्तानी राज्य ने भारतीय हवाई हमलों में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के लिए 1 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह मुआवजा कानूनी उत्तराधिकारियों को दिया जाएगा, जिसका अर्थ है कि अगर अजहर खुद को कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में निर्धारित करता है, तो उसे भारी भरकम राशि मिल सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मुआवजा देने के अलावा, पाकिस्तान सरकार भारतीय हमलों में तबाह हुए घरों का पुनर्निर्माण भी कर सकती है।

पाकिस्तान के इस ताज़ा रुख की आलोचना हो रही है। भारतीय रक्षा अधिकारियों ने कहा है कि इस्लामाबाद के इस कदम से आतंकवाद के खिलाफ़ पाकिस्तान की प्रतिबद्धता पर सवाल उठ रहे हैं। इससे पहले, जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर ने स्वीकार किया कि बहावलपुर में संगठन के मुख्यालय पर भारत के मिसाइल हमले में उसके परिवार के 10 सदस्य और चार करीबी सहयोगी मारे गए। अजहर के हवाले से जारी एक बयान में कहा गया कि बहावलपुर में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह पर हमले में मारे गए लोगों में जैश प्रमुख की बड़ी बहन और उसका पति, एक भतीजा और उसकी पत्नी, एक और भतीजी और उसके विस्तारित परिवार के पांच बच्चे शामिल हैं।

बयान में आगे उल्लेख किया गया है कि हमले में अजहर के एक करीबी सहयोगी और उसकी मां के साथ-साथ दो अन्य करीबी साथियों की भी जान चली गई। 1999 में आईसी-814 के अपहृत यात्रियों के बदले अजहर की रिहाई के बाद बहावलपुर जैश का केंद्र बन गया। मई 2019 में, संयुक्त राष्ट्र ने अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था, जब चीन ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख को काली सूची में डालने के प्रस्ताव पर अपनी रोक हटा ली थी, एक दशक बाद जब नई दिल्ली ने इस मुद्दे पर पहली बार विश्व निकाय से संपर्क किया था। माना जाता है कि अप्रैल 2019 से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया मसूद अजहर बहावलपुर में एक सुरक्षित स्थान पर छिपा हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानव सभ्यता का शिखर एवं रिश्तों का स्वर्ग है परिवार

एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं।

(लेखक - ललित गग)

अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई 2025)

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां: सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया जाएगा, जिसमें सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विकास एजेंडा में परिवार-केंद्रित नीतियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया जाएगा। परिवार में रिश्तों की एक मज़बूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फ़र्ज़ है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में पारिवारिक एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है।

आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं।

भारत गांवों का देश है, परिवारों का देश है, शायद यही कारण है कि न चाहते हुए भी आज हम विश्व के सबसे बड़े जनसंख्या वाले राष्ट्र के रूप में उभर चुके हैं और शायद यही कारण है कि आज तक जनसंख्या दबाव से उपजी चुनौतियों के बावजूद, एक 'परिवार' के रूप में, जनसंख्या नीति बनाये जाने की जरूरत महसूस नहीं की। ईंट, पत्थर, चूने से बनी दीवारों से घिरा जमीं का एक हिस्सा घर-परिवार कहलाता है जिसके साथ 'मैं' और 'मेरापन' जुड़ा है। संस्कारों से प्रतिबद्ध संबंधों की संगठनात्मक इकाई उस घर-परिवार का एक-एक सदस्य है। हर सदस्य का सुख-दुख एक-दूसरे के मन को छूता है। प्रियता-अप्रियता के भावों से मन प्रभावित होता है। घर-परिवार जहां हर सुबह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जुगाड़ में धूप चढ़ती है और आधी-अधूरी चिंताओं का बोझ ढोती हुई हर शाम घर-परिवार आकर ठहरती है। कभी लाभ, कभी हानि, कभी सुख, कभी दुख, कभी संयोग, कभी वियोग, इन द्वंद्वात्मक परिस्थितियों के बीच जिंदगी का कालचक्र गति करता है। आदमी की हर कोशिश 'घर-परिवार' बनाने की रहती है। सही अर्थों में घर-परिवार वह जगह है जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन सुख-दुख की साझेदारी, सबमें सबक होने की स्वीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का पूरा अवकाश है। अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली से जीता है। वृद्धत्व जीए गए अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसा घर-परिवार निश्चित रूप से पूजा का मंदिर बनता है।

परिवार एक संसाधन की तरह होता है। फिर क्या कारण है कि आज किसी भी घर-परिवार के वातायन से झांककर देख लें-दुख, चिंता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, पक्षपात, विवाद, विरोध, विद्रोह के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ होगा। विचारभेद मनभेद तक पहुंचा देगा। विश्वास संदेह में उतर आएगा। ऐसी अनकही तनावों की भीड़ में आदमी सुख के एक पल को पाने के लिए तड़प जाता है। कोई किसी के सहने/समझने की कोशिश नहीं करता। क्योंकि उस घर-परिवार में उसके ही अस्तित्व के दायरे में उद्देश्य, आदर्श, उम्मीदें, आस्था, विश्वास की बदलती परिधियां केंद्र को ओझल कर भटक जाती हैं। विघटन शुरू हो जाता है। भारतीय परिवार में परिवार की मर्यादा और आदर्श परंपरागत है। विश्व के किसी अन्य समाज़ में गृहस्थ जीवन की इतनी पवित्रता, स्थायीपन, और पिता-पुत्र, भाई-भाई और पति-पत्नी के इतने अधिक व स्थायी संबंधों का उदाहरण प्राप्त नहीं होता। विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों में सम्पत्ति के अधिकार, विवाह और विवाह विच्छेद आदि की प्रथा की दृष्टि से अनेक भेद पाए जाते हैं, किंतु फिर भी 'संयुक्त परिवार' का आदर्श सर्वमान्य है। अधिकतर परिवार में तीन पीढ़ियों और कभी कभी इससे भी अधिक पीढ़ियों के व्यक्ति एक ही घर में, अनुशासन में और एक ही रसोईघर से संबंध रखते हुए सम्मिलित संपत्ति का उपभोग करते हैं और एक साथ ही परिवार के धार्मिक कृत्यों तथा संस्कारों में भाग लेते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों में संपत्ति के नियम भिन्न हैं, फिर भी संयुक्त परिवार के आदर्श, परंपराएं और प्रतिष्ठा के कारण इनका सम्पत्ति के अधिकारों का व्यावहारिक पक्ष परिवार के संयुक्त रूप के अनुकूल ही होता है। संयुक्त परिवार का कारण भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के अतिरिक्त प्राचीन परंपराओं तथा आदर्श में निहित है। रामायण और महाभारत की गाथाओं द्वारा यह आदर्श जन-जन में संप्रेषित है। इंसानी रिश्तों एवं पारिवारिक परम्परा के नाम पर उठा जिन्दगी का यही कदम एवं संकल्प कल की अगवानी में परिवार के नाम एक नायाब तोहफा होगा।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

आदमपुर का संदेश

सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करने के बाद मंगलवार की सुबह अचानक पंजाब स्थित आदमपुर एयरबेस की यात्रा करके प्रधानमंत्री ने सबको चौंकाया। प्रतीकों के जरिये संदेश देने की कला में माहिर प्रधानमंत्री की इस यात्रा को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। निस्संदेह, इस यात्रा के गहरे निहितार्थ थे। पहले तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी हमले के सामने अभेद्य दीवार बनकर खड़े रहे इस एयरबेस के वायु सैनिकों का मनोबल बढ़ाना था, तो दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के सामने पाक को बेनकाब करना था। दरअसल, पाक ने दावा किया था कि उसने आदमपुर एयरबेस पर हमले करके 'सुदर्शन चक्र' यानी एस-400 को तबाह कर दिया है। प्रधानमंत्री ने इस एयरबेस में वायु सेना के कर्मियों से बातचीत की और शानदार काम के लिये उनकी पीठ थपथपायी। निश्चय ही प्रधानमंत्री का वायु सैनिकों के बीच जाकर उनका उत्साहवर्धन करना प्रेरक पहल है। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना की भूमिका निर्णायक रही। आतंकी ठिकानों और सैन्य हवाई अड्डों पर सटीक हमले इस ऑपरेशन के कामयाब लक्ष्य रहे। सबसे महत्वपूर्ण इस दौरान भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता रही। जिसने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और नागरिक क्षेत्रों पर हमले की पाकिस्तान की तमाम कोशिशों को विफल बना दिया । उल्लेखनीय है कि सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तानी ड्रोनों और मिसाइलों को तिनके की तरह मार गिराने के लिये देश के वायु रक्षा कवच की मुक्तकंठ से प्रशंसा की थी। ठीक अगले ही दिन, उन्होंने आदमपुर एयरबेस की यात्रा की और वायु सैनिकों का मनोबल बढ़ाया। निश्चित रूप से यह हमारे वायु योद्धाओं और सशस्त्र बलों की बहादुरी को देश का हृदय से सलाम ही था। साथ ही प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार की जड़ पर प्रहार किया। दरअसल पड़ोसी पाक दावा करता रहा है कि उसकी मिसाइलों ने आदमपुर में भारतीय वायु रक्षा प्रणाली एस-400 को ध्वस्त कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जब प्रधानमंत्री वायु सैनिकों को संबोधित कर रहे थे तो पृष्ठभूमि में स्पष्ट रूप से सही-सलामत 'सुदर्शन चक्र' दिखायी दे रहा था। अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को सच बताने के लिये ये काफी था। एयरबेस में वायु सेना कर्मियों व अधिकारियों में खासा उत्साह दिखायी दिया। जो पाक को स्पष्ट संदेश दे गया कि वायु सेना के पास जश्न मनाने की वजह मौजूद है। निश्चित रूप से पाकिस्तान के मुकाबले भारत की वायु शक्ति की श्रेष्ठता पर कभी संदेह नहीं रहा। लेकिन यह 'ऑपरेशन सिंदूर' ही था, जिसने नये युग के युद्ध में भारतीय वायुसेना की दक्षता सिद्ध की। देश की वायु सेना युद्ध शक्ति, आक्रमण, रक्षा क्षमता,आधुनिकीकरण और रसद आपूर्ति के मामले में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ वायुसेनाओं में से एक है। वैश्विक स्तर पर,यह चीन,इस्राइल और फ्रांस की वायु सेनाओं से भी बेहतर है। यही वजह है कि भारतीय वायुसेना को उपमहाद्वीप में स्पष्ट व निर्णायक बढ़त प्राप्त है। जिसके चलते पाकिस्तान को किसी दुस्साहस करने से रोका जा सका है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता इस बात की गवाह है कि अचूक मिग-29 फाइटर जेट्स और 'सुदर्शन चक्र' एस-400 की ताकत ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया।

महान रेडियोधर्मिता वैज्ञानिक- पियरे क्यूरी

(लेखक - संजय गोस्वामी/ईएमएस)

(जन्म तिथि 15 मई पर विशेष)

पियरे क्यूरी का जन्म 15 मई, 1859 को पेरिस में हुआ था, जहाँ उनके पिता एक सामान्य चिकित्सक थे, । सोरबोन में विज्ञान संकाय में प्रवेश करने से पहले उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही प्राप्त की। उन्होंने 1878 में भौतिकी में अपना लाइसेंस प्राप्त किया और 1882 तक भौतिकी प्रयोगशाला में एक प्रदर्शक के रूप में काम करते रहे, जब उन्हें भौतिकी और औद्योगिक रसायन विज्ञान स्कूलों में सभी व्यावहारिक कार्यों का प्रभारी बनाया गया। 1895 में उन्होंने डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की और भौतिकी के प्रोफेसर नियुक्त किए गए। उन्हें 1900 में विज्ञान संकाय में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया और 1904 में वे टाइटिलर प्रोफेसर बन गए। क्रिस्टलोग्राफी पर अपने शुरुआती अध्ययनों में, अपने भाई जैक्स के साथ, क्यूरी ने पीजोइलेक्ट्रिक प्रभावों की खोज की। बाद में, उन्होंने कुछ भौतिक घटनाओं के संबंध में समरूपता के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया और चुंबकत्व पर अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने दिखाया कि किसी दिए गए पदार्थ के चुंबकीय गुण एक निश्चित तापमान पर बदल जाते हैं - इस तापमान को अब क्यूरी बिंदु के रूप में जाना जाता है। अपने प्रयोगों में सहायता के लिए उन्होंने कई उपकरण बनाए - तराजू, इलेक्ट्रोमीटर, पीज़ोइलेक्ट्रिक क्रिस्टल, आदि।क्यूरी ने रेडियोधर्मी पदार्थों के अध्ययन अपनी पत्नी के साथ मिलकर किए, जिनसे उन्होंने 1895 में विवाह किया था। वे बहुत कठिनाई की परिस्थितियों में प्राप्त किए गए थे - प्रयोगशाला की पर्याप्त सुविधाएँ नहीं थीं और अपनी आजीविका कमाने के लिए बहुत अधिक शिक्षण करने के तनाव में थे। उन्होंने 1898 में पिचब्लेंड के विभाजन द्वारा रेडियम और पोलोनियम की खोज की घोषणा की और बाद में उन्होंने रेडियम और इसके परिवर्तन उत्पादों के गुणों को स्पष्ट करने के लिए बहुत कुछ किया। इस युग में उनके काम ने परमाणु भौतिकी और रसायन विज्ञान में बाद के अधिकांश शोधों का आधार बनाया। 1903 में उन्हें बेक्वेरेल द्वारा खोजे गए स्वत:स्फूर्त विकिरण पर उनके अध्ययन के कारण भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार का आधा हिस्सा दिया गया, जिसे पुरस्कार का दूसरा आधा हिस्सा दिया गया।उनकी पत्नी पूर्व में मैरी स्क्लोडोव्स्का थीं, जो पोलैंड के वारसॉ में एक माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक की बेटी थीं। एक बेटी, आइरीन ने फ्रेडरिक जोलियट से शादी की और वे 1935 में रसायन विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार के संयुक्त प्राप्तकर्ता थे। छोटी बेटी, ईव ने अमेरिकी राजनयिक एच.आर. लैबौइस से शादी की। वे दोनों सामाजिक समस्याओं में गहरी रुचि रखते थे, और संयुक्त राष्ट्र के बाल कोष के निदेशक के रूप में उन्होंने 1965 में ओस्लो में इसकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त किया। वह अपनी मां मैडम क्यूरी (गैलीमार्ड, पेरिस, 1938) की एक प्रसिद्ध जीवनी की लेखिका हैं, जिसका कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है।पियरे क्यूरी एक फ्रांसीसी भौतिक रसायनज्ञ थे, जिन्होंने 1903 में अपनी पत्नी मैरी क्यूरी के साथ भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार जीता था। उन्होंने और मैरी ने रेडियोधर्मिता की अपनी जांच में रेडियम और पोलोनियम की खोज की। एक प्रतिष्ठित भौतिक विज्ञानी, वे आधुनिक भौतिकी के प्रमुख संस्थापकों में से एक थे। अपने चिकित्सक पिता द्वारा प्रशिक्षित, क्यूरी ने 14 वर्ष की आयु में गणित के प्रति प्रेम विकसित किया और स्थानिक ज्यामिति के लिए एक निश्चित योग्यता दिखाई, जिसने बाद में क्रिस्टलोग्राफी में उनके काम में उनकी अच्छी सेवा की। 16 वर्ष की आयु में मैट्रिकुलेशन और 18 वर्ष की आयु में लाइसेंस प्राप्त करने के बाद, 1878 में उन्हें सोरबोन में प्रयोगशाला सहायक नियुक्त किया गया। वहाँ क्यूरी ने अपना पहला काम थर्मल तरंगों की तरंग दैर्ध्य की गणना करना किया। इसके बाद क्रिस्टल के अधिक महत्वपूर्ण अध्ययन हुए, जिसमें उन्हें उनके बड़े भाई जैक्स ने सहायता की। समरूपता के नियमों के अनुसार क्रिस्टलीय पदार्थों के वितरण की समस्या उनके प्रमुख कार्यों में से एक थी। क्यूरी बंधुओं ने पायरोइलेक्ट्रिसिटी की घटना को उस क्रिस्टल के आयतन में परिवर्तन से जोड़ा जिसमें यह दिखाई देता है, और इस प्रकार पीजोइलेक्ट्रिसिटी की खोज की। बाद में पियरे ने तुल्यता का सिद्धांत तैयार किया, जिसमें कहा गया है कि किसी दी गई भौतिक प्रक्रिया को ऐसी अवस्था में लाना असंभव है जिसमें प्रक्रिया की विषमता के एक निश्चित छोटे तत्व का अभाव हो। इसके अलावा, यह विषमता प्रभाव में नहीं पाई जा सकती है यदि यह कारण से पहले न हो। उन्होंने विभिन्न भौतिक अवस्थाओं की तुल्यता का वर्णन किया।पियरे और मैरी क्यूरी अपनी बेटी आइरीन थीपेरिस में इकोले डेस फिजिक्स एट डी केमी इंडस्ट्रियल के निदेशक (1882) नियुक्त होने के बाद, क्यूरी ने अपना शोध फिर से शुरू किया और अंतिम भार को सीधे पढ़कर एक अप्रतिवर्ती संतुलन बनाकर विश्लेषणात्मक संतुलन को पूर्ण करने में सक्षम थीं। फिर उन्होंने चुंबकत्व पर अपना प्रसिद्ध अध्ययन शुरू किया। उन्होंने यह पता लगाने के उद्देश्य से एक डॉक्टरेट थीसिस लिखने का बीड़ा उठाया कि क्या तीन प्रकार के चुंबकत्व के बीच कोई संक्रमण था- फेरोमैग्नेटिज्म, पैरामैग्नेटिज्म और डायमैग्नेटिज्म। चुंबकीय गुणांकों को मापने के लिए, उन्होंने 0.01 मिलीग्राम वजन का एक मरोड़ संतुलन बनाया, जो अभी भी उपयोग में है और इसे क्यूरी संतुलन कहा जाता है। उसने पाया कि पैरामैग्नेटिक निकायों के आकर्षण के चुंबकीय गुणांक निरपेक्ष तापमान के साथ व्युत्क्रमानुपाती रूप से भिन्न होते हैं - क्यूरी का नियम। फिर उन्होंने पैरामैग्नेटिक निकायों और पूर्ण गैसों के बीच और परिणामस्वरूप, फेरोमैग्नेटिक निकायों और घने तरल पदार्थों के बीच एक सादृश्य स्थापित किया। क्यूरी द्वारा प्रदर्शित अनुचुम्बकत्व और प्रतिचुम्बकत्व के पूरी तरह से अलग चरित्र को बाद में पॉल लैंग्विन ने सैद्धांतिक रूप से समझाया था। 1895 में क्यूरी ने चुंबकत्व पर अपने थीसिस का बचाव किया और विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।1894 के वसंत में क्यूरी की मुलाकात मैरी स्कोलोडोस्का से हुई और उनके विवाह (25 जुलाई, 1895) ने एक विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक सफलता की शुरुआत की, जिसकी शुरुआत (1898 में) पोलोनियम और फिर रेडियम की खोज से हुई।

(चिंतन-मनन)

दूसरे की गलती

चिंतन मनन

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे। अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था। उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

विचार मंथन

ट्रोलर्स के सामने बेबस आईएएस-आईपीएस?

(लेखक - सनत जैन)

भारतीय संविधान के अनुसार देश की प्रशासनिक व्यवस्था (कार्यपालिका) के प्रमुख स्तंभ आईएएस और आईपीएस अधिकारी इतने बेबश होंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। लोकतंत्र के स्तंभ अधिकारी जब अपनी ही रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में आम नागरिक किस हालत मे रह रहे होंगे। इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। हाल ही में विदेश सचिव विक्रम मिशरी उनकी बेटी और उनके परिवार जनों पर जिस तरह से ट्रोलरों द्वारा उनके ऊपर हमला किया। ट्विटर अकाउंट पर उन्हें गद्दार, देशद्रोही और ऐसे ऐसे शब्दों से उन्हें और उनके परिवार को नवाजा गया। उससे वह इतने हताहत और भयभीत हुए, उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट को प्राइवेट कर दिया। कुछ इसी तरह की घटना हिमांशी नरवाल के साथ हुई थी। उनके पति सेना में थे, कुछ दिन पहले ही शादी हुई थी। पहलगाम हनीमून मनाने गए थे, वहां आतंकी घटना में उनके पति की आतंकियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। हिमांशी ने कश्मीर के लोगों के बारे में बताते हुए कहा, कश्मी रियों ने घटना के बाद सबकी मदद की है। उनकी इतना कहते ही सोशल मीडिया पर ट्रोलरों ने सेना के अधिकारी की विधवा हिमांशी पर हमला करते हुए उसे जिस तरीके से अपमानित किया है। सारे देश ने वह देखा है। सोशल मीडिया के ट्रोलर्स जिन्हें सत्ताधारी राजनीतिक दल का संरक्षण प्राप्त है। वह सत्ताधारी दल की विचारधारा के विपरीत यदि कोई बात कह देता है, तो उसे देशद्रोही, गद्दार, पाकिस्तान चले जाओ और तरह-तरह के ऐसे शब्दों से नवाजा जाता है। जिसे ट्रोल किया गया है वह डर तथा भय के कारण शांत होकर बैठ जाता है। सरकार और प्रशासन द्वारा इन ट्रोलरों को नजर अंदाज कर दिया जाता है। ट्रोलिंग की इस अराजक संस्कृति ने संविधान प्रदत अ भिव्य क्ति की स्वतंत्रता का लाभ उन परिवारों को निशाना बनाने के लिये किया जाता है, उनकी व्यक्तिगत गरिमा को चोट पहुंचाई जाती है। व्य क्तिगत कार्यशैली और निष्पक्षता पर भी सवालिया निशान लगाकर सोशल मीडिया में अपमानित किया जा रहा है। उसके बाद भी ऐसे लोगों पर कार्यवाही नहीं होना आश्चर्य का विषय है। कार्यवाही करने की जिम्मेदारी आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के ऊपर है। वह निंदा तो कर रहे हैं, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। इससे समझा जा सकता है हमारा प्रशासनिक तंत्र राजनेताओं के सामने किस तरह से बेबस है। भारतीय संविधान में नागरिकों को जो मौलिक अधिकार मिले हैं। वह कानून की किताबों में तो सुरक्षित हैं, वास्तविकता उसके ठीक विपरीत है। ट्रोल आर्मी द्वारा कई वरिष्ठ अधिकारियों का सोशल मीडिया पर घोर अपमान और निराधार आरोप लगाकर समय-समय पर ट्रोल किया गया है। ट्रोलर्स उन्हें भी राजनीतिक एजेंडे से जोड़ते हैं। उनके निजी जीवन में झाँकते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के निर्णयों और कार्यवाही को पक्षपातपूर्ण ठहराते हैं। यह सिलसिला तब खतरनाक हो जाता है। जब सत्ता पक्ष के समर्थक संगठित रूप से अधिकारियों, पत्रकारों, राजनै तिक दलों के नेताओं और आमजनों को निशाना बनाते हैं। यह स्थिति मनोबल गिराने और भय फैलाने का काम करती है। स्वतंत्र प्रशासनिक निर्णयों में बाधा डालने के रुप में इसे देखा जाता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है, इस तरह की ट्रोलिंग सुनियोजित रूप से कई वर्षों से की जा रही है। बॉट्स एप, फेक आईडी और संगठित रूप से आईटी सेल की भूमिका सामने आई है। जब सजग अधिकारी अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए निष्पक्ष रूप से कार्यवाही करता है या भ्रष्टाचार- पक्षपात के खिलाफ कड़े कदम उठाता है। तो उसका विरोध ट्रोलिंग के रूप में सामने आता है। कई मामलों में परिवार को भी निशाना बनाया जाता है। परिवार सहित लोग मानसिक तनाव का शिकार होते हैं, जिससे उनके कार्य पर विप रित प्रभाव पड़ता है। डर और भय के कारण वह अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन भी नहीं कर पाते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अधिक जिम्मेदार बनाना होगा। शासन और प्रशासन को बिना किसी भेदभाव के साइबर लॉ को सख्ती से लागू करना होगा। सरकार को ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों की सुरक्षा और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए कदम उठाने होंगे। संविधान ने अधिकारियों की जिम्मेदारी कानून के रुप में तय की है। संविधान के प्रति उनकी भी जवाबदेही है यदि वही अपने अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाएंगे, तो भगवान ही मालिक है। ट्रोलिंग के इस जहरीले जाल से प्रशासनिक, न्यायिक सेवा और आम नाग रिकों को बचाना है, तो समाज, सरकार और न्यायपालिका को मिलकर इसके लिये ठोस पहल करनी होगी। अधिकारियों को निर्भीक होकर काम करना होगा। अधिकारी यदि अपने ही सम्मान, कर्तव्य और अधिकारों पर ध्यान नहीं देंगे। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित रख पाना केवल हवा हवाई होगा। सोशल मीडिया की आज़ादी अभिव्यक्ति का माध्यम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गेल इंडिया लिमिटेड के तिमाही नतीजे किए जारी, 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ

मुंबई।

गेल इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को मार्च 2025 को खत्म हुई तिमाही के नतीजे जारी किए। इस तिमाही में कंपनी को 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ हुआ। यह बीते साल की इसी तिमाही में हुए 2,468.71 करोड़ के मुनाफे के करीब बराबर है। हालांकि, दिसंबर 2024 वाली पिछली तिमाही की तुलना में मुनाफा में भारी गिरावट आई है। तब कंपनी का मुनाफा 4,081.56 करोड़ था, यानी इस बार मुनाफा करीब 39 प्रतिशत कम हुआ है। कंपनी की कुल ऑपरेशनल आय यानी रेवेन्यू 36,551.15 करोड़ रही, जो एक साल पहले की 32,833.24 करोड़ से 11.3 प्रतिशत ज़्यादा है। लेकिन पिछली तिमाही के 36,937.05 करोड़ से थोड़ा कम है। गेल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी ने बताया कि यह 6.50 के इंटरिम डिविडेंड के अतिरिक्त है, जो पहले ही इस साल के दौरान दिया जा चुका है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय बाजार दो पैसे की बढ़त के साथ ही 85.28 पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलावार को को भारतीय रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ ही 85.30 पर बंद हुआ। गत दिवस सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 74 पैसे मजबूत होकर 84.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय परिसंपत्तियों में विदेशी निवेशकों की निरंतर रुचि ने स्थानीय मुद्रा को मौलिक समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.70 प्रति डॉलर पर खुला और फिर डॉलर के मुकाबले 84.74 पर लुढ़क गया। हालांकि, यह फिर वापसी करता हुआ 84.62 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 74 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.36 पर बंद हुआ था।

जल्द लॉन्च होगी 5 नई इलेक्ट्रिक कारें

नई दिल्ली।

ग्राहकों के रुझान को देखते हुए भारतीय बाजार में जल्द ही पांच नई इलेक्ट्रिक कारें लांच होने वाली है। टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी जैसी दिग्गज कार निर्माता कंपनियां भारतीय मार्केट में अपनी नई इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। आइए जानते हैं, ऐसी ही 5 अपकमिंग इलेक्ट्रिक कारों के बारे में। महिंद्रा अपनी पॉपुलर एसयूवी एक्सयूवी 700 का इलेक्ट्रिक वैरिएंट लॉन्च करने जा रही है, जिसे महिंद्रा एक्सईवी 7ई नाम दिया जाएगा। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की बैटरी पैक की जानकारी अभी तक नहीं दी गई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कार सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा की रेंज ऑफर कर सकती है। एमजी भारतीय बाजार में एम9 एमपीवी को लॉन्च करने की योजना बना रही है। इसमें 90 केडब्ल्यूएच की बैटरी का उपयोग किया जाएगा, जो सिंगल चार्ज पर लगभग 430 किमी की रेंज प्रदान कर सकती है। इसे प्रीमियम एमजी आउटलेट्स से बेचा जाएगा। मारुति सुजुकी अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई विटारा को लॉन्च करने वाली है। यह कार दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ आएगी, जो सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा की रेंज देने की क्षमता रखती है। टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय एसयूवी हैरियर का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लॉन्च करने की तैयारी में है। टाटा हैरियर ईवी सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा की रेंज दे सकती है, जैसा कि टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लॉन्च किया जाएगा, जिसे कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की रेंज सिंगल चार्ज पर 400 से 450 किमी हो सकती है।

भारत 80 देशों को रक्षा उपकरणों का कर रहा निर्यात, दस साल में 34 फीसदी बढ़ोतरी

सरकार लगातार रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियारों के उत्पादन पर दे रही जोर

नई दिल्ली।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया बल्कि उसके हर नापाक इरादे को नाकाम कर दिया। मीडिया रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले क्षेत्र पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस कार्रवाई में लश्कर-ए-तैयबा के 100 से भी ज्यादा आतंकी मारे गए। अब भारतीय रक्षा क्षेत्र से एक और अच्छी खबर आई है। भारत दुनिया के 80 देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है और पिछले 10 सालों में इस क्षेत्र में करीब 34 गुना वृद्धि दर्ज की है। आंकड़ों के मुताबिक 2013-14 में भारत का रक्षा निर्यात मात्र 686 करोड़ रुपए था जो अब बढ़कर 23,622 करोड़ पर पहुंच गया है। रक्षा क्षेत्र में यह शानदार वृद्धि वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते दबदबे को दर्शाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में निजी क्षेत्र ने 15,233 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात किया जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों ने रिकॉर्ड 8,389 करोड़ रुपए के हथियारों का निर्यात किया है। डिफेंस पीएसयू के निर्यात में ही करीब 42.85 फीसदी की वृद्धि हुई, जो दुनिया भर में भारतीय हथियारों की बढ़ती मांग को इंगित करती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सरकार लगातार रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियारों के उत्पादन पर जोर दे रही है। भारत का लक्ष्य 2029 तक अपने रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाना है। भारत जिन प्रमुख हथियारों का निर्यात करता है उनमें आकाश मिसाइल, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और पिनाका रॉकेट शामिल हैं। इसके अलावा के9 वज्र तोप, बीओटी प्लेटफॉर्म, डोर्नियर 228 लड़ाकू विमान और हल्का लड़ाकू विमान तेजस भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं पहलगाम हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के साथ रक्षा निर्यात में भारत की यह तेजी से बढ़ती ताकत देश को न केवल सुरक्षित बना रही है बल्कि वैश्विक स्तर पर एक अहम सैन्य और आर्थिक शक्ति के रूप में भी स्थापित कर रही है।

भारत में थोक महंगाई दर अप्रैल में 13 महीनों के निचले स्तर पर

नई दिल्ली।

भारत में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई या थोक महंगाई दर अप्रैल में कम होकर 13 महीनों के निचले स्तर 0.85 प्रतिशत पर आ चुकी है, जो कि मार्च में 2.05 प्रतिशत पर थी। इसकी जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गई। थोक महंगाई दर में कमी की वजह खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी आना है। अप्रैल में खाद्य उत्पादों पर थोक महंगाई दर कम होकर 2.55 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 4.66 प्रतिशत पर थी। मोदी सरकार ने बताया कि अप्रैल में थोक महंगाई दर सकारात्मक रहने की वजह खाद्य उत्पादों, केमिकल और केमिकल उत्पादों, ट्रांसपोर्ट उपकरणों और अन्य मशीनों की मैन्युफैक्चरिंग की कीमत में बढ़ोतरी होना है। मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों में महंगाई दर बढ़कर 2.62 प्रतिशत हो गई है। फ्यूल एंड पावर और प्राथमिक उत्पादों में महंगाई दर गिरकर 2.18 प्रतिशत और 1.44 प्रतिशत रह गई है। थोक महंगाई दर में कमी तब देखने को मिली है, जब खुदरा महंगाई दर कई सालों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में खुदरा महंगाई दर घटकर 3.16 प्रतिशत हो गई है, जो कि मार्च में 3.34 प्रतिशत थी। यह खुदरा महंगाई दर का जुलाई 2019 के बाद सबसे निचला स्तर है। यह लगातार तीसरा महीना था, जब खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के महंगाई के टारगेट 4 प्रतिशत के नीचे रही है। महंगाई में कमी आने से आरबीआई के पास आने वाले समय में रेपो रेट में कमी करने के लिए पर्याप्त जगह होगी।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले जुले संकेतों के बीच ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 182 अंक बढ़कर 81,330.56 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 89 अंक करीब 0.36 फीसदी ऊपर आकर 24,666.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एमएंडएम के शेयर ऊपर आये जबकि एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड कॉर्प, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी के शेयर गिरे। निफ्टी पर टाटा स्टील, श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, सिप्ला, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी के शेयर नुकसान में रहे। इसके अलावा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी का उछाल आया।

आज एफएमसीजी और बैंक शेयरों को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त पर रहे, जिसमें रियल्टी, ऑयल एंड गैस, आईटी और मेटल इंडेक्स में 1-2 फीसदी की तेजी रही। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह आईटी और स्टील स्टॉक्स में बढ़त रही जिससे भी बाजार उछला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल के शेयर में तेजी से भी बाजार में उत्साह आया। आज सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 81,278.49 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी मजबूती के साथ 24,613.80 अंक पर खुला।

वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। आज सुबह धातु शेयरों में तेजी रही।

अमेरिका के सुरक्षा शुल्क लगाए जाने से भारत और अमेरिका के बीच 7.6 अरब डॉलर का निर्यात प्रभावित होगा, जिस पर अमेरिका का शुल्क संग्रह 1.91 अरब

डॉलर होगा। इसी के अनुसार भारत की रियायतों के निलंबन के बाद अमेरिका के उत्पादों पर भी समान शुल्क वसूला जाएगा। इसके कारण भी धातु शेयरों में बढ़त रही। वहीं एशियाई बाजारों में बुधवार को मिश्रित कारोबार हुआ। जापान का निक्केई 225 0.57 फीसदी गिरा जबकि टॉपिक्स में 1.05 फीसदी की गिरावट रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.67 फीसदी ऊपर रहा और कोसडैक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ स्थिर रहा। ऑस्ट्रेलिया का बेंचमार्क एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.1 फीसदी की गिरावट के साथ नकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ स्थिर रहा। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.16 फीसदी बढ़ा जबकि चीन का सीएसआई 300 0.21 फीसदी नीचे रहा। वहीं दूसरी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट इंडेक्स मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.72 फीसदी बढ़कर 5,886.55 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 1.61 फीसदी ऊपर आकर 19,010.08 पर बंद हुआ। जबकि डॉव जोन्स 0.64 फीसदी गिरकर 42,140.43 पर बंद हुआ। इसके अलावा अमेरिकी शेयर फ्यूचर्स में भी गिरावट रही।

डिजिटल कॉमर्स छोटे-मझोले कारोबारियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो रहे

ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर एक लाख से ज्यादा एमएसएमई कारोबार जुड़ जाएंगे

नई दिल्ली।

सरकारी डिजिटल व्यापार मंच ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स अब छोटे और मझोले कारोबारियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस मंच से जुड़ने वाले एमएसएमई की आय में औसतन 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़त विशेष रूप से छोटे और मझोले शहरों में देखने को मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक ओएनडीसी से सबसे ज्यादा एमएसएमई राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से जुड़े हैं। इन राज्यों में डिजिटल व्यापार को अपनाने की रफ्तार तेज हुई है। पिछले एक साल में इस मंच से जुड़े एमएसएमई की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है। कंपनी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 तक ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर एक लाख से ज्यादा एमएसएमई कारोबार जुड़ जाएंगे। ईजी-पे के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि ओएनडीसी के साथ हमारा गठजोड़ यह दर्शाता है कि अब छोटे शहरों से भी कारोबार करना आसान और सुलभ होता जा रहा है। यह मंच व्यापार को डेमोक्रेटिक और डीसेंट्रलाइज्ड बनाता है, जिससे छोटे व्यापारी भी बड़े ब्रांड्स से मुकाबला कर सकते हैं। ईजी-पे उन शुरुआती फिनटेक कंपनियों में से है, जो ओएनडीसी पर रिटेल और फाइनेंशियल सर्विसेज को जोड़कर एमएसएमई को डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन बिक्री जैसे सुविधाएं प्रदान कर रही है। इससे छोटे व्यापारियों की

पहुंच और मुनाफा दोनों में इजाफा हो रहा है। ओएनडीसी का यह मॉडल देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में व्यापार को डिजिटल रूप से सशक्त बना रहा है। यह मंच न केवल तकनीकी सहायता देता है, बल्कि एमएसएमई को बड़े बाजारों से जोड़कर उन्हें डिजिटल इकॉनमी में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर करता है।

भारतीय बाजार में किआ ने कैरेंस क्लैविस लॉन्च किया

नई दिल्ली।

किआ इंडिया ने अपनी पॉपुलर एमपीवी कैरेंस का अपडेटेड वर्जन कैरेंस क्लैविस भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। इसे एक प्रीमियम एमपीव्ही के रूप में पेश किया गया है, जो पहले से मौजूद कैरेंस मॉडल के साथ बेचा जाएगा। कैरेंस क्लैविस को लेकर कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस), नया डिजाइन और स्मार्ट फीचर्स शामिल हैं। किआ कैरेंस क्लैविस में लेवल-2 एडीएस सुइट दिया गया है, जो ड्राइविंग के दौरान सुरक्षा और आराम को बढ़ाता है। इस एमपीवी में 360-डिग्री कैमरा और 360-डिग्री सराउंड कैमरा भी जोड़ा गया है, जिससे पार्किंग और मैन्युवरिंग में आसानी होती है। हाई ट्रिम्स में डुअल-चैनल डैशकैम सिस्टम भी दिया गया है, जो वाहन के आगे और पीछे की निगरानी करता है, खासकर अचानक होने वाली घटनाओं के दौरान। डिजाइन में भी कई बदलाव किए गए हैं। इसमें ईवी5-प्रेरित फ्रंट एलईडी डीआरएल सिग्नेचर और ट्रिपल आइस-क्यूब एलईडी हेडलाइट्स दी गई हैं। रियर में नया कनेक्टेड एलईडी टेल लाइट सिग्नेचर है, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है। स्मार्ट की फीचर में रिमोट इंजन स्टार्ट और विंडो कंट्रोल की सुविधा दी गई है। किआ कैरेंस क्लैविस में 17-इंच के डुअल कलर अलॉय व्हील्स और पैनोरमिक सनरूफ भी दिया गया है।

पर्सनल लोन के डिफॉल्ट होने के खतरे से चिंतित आरबीआई, नियमों को सख्त करने में जुटा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बिना गिरवी रखे मिलने वाले व्यक्तिगत कर्ज, जैसे पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड के नियमों को और सख्त करने में जुटी हुई है। बिना गिरवी वाले कर्ज में डिफॉल्ट का खतरा बढ़ रहा है। इस बात से आरबीआई चिंतित है। नवंबर 2023 में आईबीआई ने इन कर्जों पर रिस्क वेट 100 से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया था, लेकिन अब और कड़े कदम जरूरी हैं। आरबीआई ने बैंकों को अपनी कर्ज देने की नीतियों को सख्त करने के निर्देश दिए हैं। कर्ज लेने वालों की क्रेडिट स्कोर के आधार पर ऋण की अधिकतम सीमा तय करना होगा। अगर कोई व्यक्ति पहले से होम लोन या ऑटो लोन ले चुका है, तब बैंकों को पर्सनल लोन देते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

बैंकों से बातचीत के आधार पर सामने आया कि आईबीआई को रिटेल लोन के तेजी से बढ़ने और इसमें छिपे जोखिमों को लेकर चिंता है। मार्च 2024 में पर्सनल लोन में वार्षिक वृद्धि 14 प्रतिशत रही (पिछले साल सामान अवधि में 17.6 प्रतिशत थी)। निजी बैंक अभी भी तेजी से ये कर्ज दे रहे हैं, जबकि सरकारी बैंकों का फोकस

कम है। दिसंबर 2023 की वित्तीय स्टेबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक, प्राइवेट बैंकों में कर्ज माफ करने (राइट-ऑफ) की संख्या तेजी से बढ़ी है, जो जोखिम का संकेत है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जल्द ही (अगले 15 दिनों में) इन नए दिशा-निर्देशों का ड्राफ्ट जारी कर सकता है। बैंकों से अपेक्षा है कि वे इन कर्जों को लेकर अधिक सतर्कता बरतेंगे और केवल योग्य उधारकर्ताओं को ही ऋण दे।

माइक्रोसॉफ्ट 3 फीसदी कर्मचारियों की करेगी छंटनी, कई विभागों पर पड़ेगा असर

प्रवक्ता ने कहा- हम लगातार बदलाव कर रहे हैं, जो कंपनी को बनाएंगे बेहतर

नई दिल्ली।

दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने दुनिया भर में अपने 3 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। कंपनी के पास जून 2024 तक करीब 2,28,000 कर्मचारी थे यानी अब 6,800 कर्मचारियों को कंपनी बाहर का रास्ता दिखाएगी। माइक्रोसॉफ्ट ने 2023 में भी 10,000 कर्मचारियों को निकाला था। छंटनी का असर कई विभागों, स्तरों और क्षेत्रों पर पड़ेगा। कंपनी का कहना है कि यह छंटनी कंपनी के संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने की रणनीति का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने कहा कि हम लगातार उन बदलावों को लागू कर रहे हैं, जो कंपनी को बेहतर बनाने के लिए जरुरी है। जनवरी 2023 में कंपनी की छंटनी में होलोलैंस और अन्य हार्डवेयर डिवीजन की टीमें प्रभावित हुई थीं। यह छंटनी ऐसे समय की जा रही है जब माइक्रोसॉफ्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश कर रही है। कंपनी ने इस वित्तीय वर्ष में एजुरे और एआई सेवाओं को मजबूत करने के लिए 80 अरब डॉलर खर्च करने का लक्ष्य रखा है। छंटनी की खबर बाजार में फैलते ही माइक्रोसॉफ्ट के शेयर

449.26 डॉनर पर पहुंच गए। यह इस साल का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। जुलाई 2023 में कंपनी का शेयर रिकॉर्ड 467.56 डॉलर रहा था। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि इस बार की छंटनी प्रदर्शन आधारित नहीं है यानी जिन लोगों की नौकरी जा रही है, उन्हें उनके काम की वजह से नहीं निकाला जा रहा। कंपनी का मकसद प्रबंधन स्तर को कम करना और काम को और ज्यादा आसान बनाना है। खास बात यह है कि माइक्रोसॉफ्ट ने अप्रैल 2024 में अपने तिमाही नतीजों में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया था, फिर भी यह छंटनी दिखाती है कि माइक्रोसॉफ्ट अपने संसाधनों का इस्तेमाल और भी प्रभावी तरीके से करना चाहती है। टेक सेक्टर में छंटनियों का सिलसिला जारी है। मेटा ने भी इस साल प्रदर्शन आधारित निकासी के जरिए 5 फीसदी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया था, जबकि सेल्सफोर्स ने एक हजार से ज्यादा पदों को खत्म कर दिया है। दोनों कंपनियां भी एआई की ओर बढ़ रही हैं।

गूगल के सीईओ पिचाई ने निभाई कस्टमर की भूमिका, एलन मस्क ने दिया जवाब

कहा- दुनिया के सबसे समझदार और प्रभावशाली लोग एक्स पर ही बात करते हैं

नई दिल्ली।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने जवाब दिया, जिसको लेकर यूजर्स के कमेंट आ रहे हैं। दरअसल, क्रोरा के सीईओ एडम डी एंजेलो ने गूगल मीट के ऑडियो क्वालिटी पर शिकायत की। उन्होंने ट्वीट किया कि हमने क्रोरा में जूम की जगह गूगल मीट इस्तेमाल किया लेकिन ऑडियो में दिक्कत आई। इसलिए हम जूम पर वापस लौट रहे हैं। इस पर सुंदर पिचाई ने तुरंत जवाब दिया एडम, हम इसकी जाँच करेंगे और ठीक करेंगे। मेरे अनुभव में तो यह ठीक काम करता है, लेकिन हम समस्या का पता लगाएंगे। एडम ने कहा धन्यवाद! अगर ठीक हो गया तो हम गूगल मीट पर वापस आ जाएंगे। इस पोस्ट पर कुछ ही मिनटों में 4000 से ज्यादा व्यूज आ गए। इस बातचीत को क्रोरा के सह-संस्थापक ने शेयर किया और लिखा- जब गूगल का सीईओ एक्स पर कस्टमर सपोर्ट करने लगे, तो समझो गूगल एजीआई (आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस) की रेस जीतने वाला है। इस पर एलन मस्क ने जवाब दिया दुनिया के सबसे समझदार और प्रभावशाली लोग एक्स पर ही बात करते हैं। एक यूजर ने लिखा- सीईओ का सीधे रिप्लाई करना कमाल का है! दूसरा ने कहा कि एक्स पर इन लीडर्स की बातचीत से हमें उनकी कंपनियों की चुनौतियों का पता चलता है। तीसरे ने कहा पहले सोशल मीडिया सिर्फ शहरों तक सीमित था, अब यह ग्लोबल प्लेटफॉर्म बन गया है। आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) एक ऐसी एआई तकनीक है जो मनुष्यों की तरह सोचने, समझने, सीखने और किसी भी कार्य को स्वतंत्र रूप से करने की क्षमता रखती है। यह मौजूदा एआई सिस्टम्स बिल्कुल अलग है, जो सिर्फ स्पेशलाइज्ड टास्क के लिए ट्रेंड होते हैं। यह किसी एक काम तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नए काम सीखने, समस्याएं सुलझाने और तर्क करने में मनुष्यों जैसे लचीली हैं। अगर एजीआई को पेंटिंग सिखाई जाए, तो वह उसी समझ का इस्तेमाल संगीत बनाने या गणित की समस्या हल करने में भी कर सकेगा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि एजीआई 2040-2050 तक आ सकता है, जबकि कुछ इसे सैद्धांतिक ही मानते हैं। एजीआई मेडिकल रिसर्च, जलवायु परिवर्तन या गरीबी जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने में भी मदद कर सकता है, लेकिन इसके साथ बड़े जोखिम भी हैं। कुलमिलाकर एजीआई एक ह्यूमन-लेवल एआई है, जो अभी तक सिर्फ विज्ञान कथाओं और रिसर्च पेपर्स में मौजूद है। यह एआई का अगला और सबसे बड़ा कदम माना जाता है।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट का असर

अप्रैल में थोक महंगाई 13 महीने के निचले स्तर 0.85 प्रतिशत पर, रोजमर्रा की वस्तुएं हुईं सस्ती

नई दिल्ली।

अप्रैल महीने में थोक महंगाई 2.05 प्रतिशत से घटकर 0.85 प्रतिशत पर आ गई है। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में महंगाई 0.53 प्रतिशत पर थी। वहीं फरवरी 2025 की महंगाई दर को सरकार ने संशोधित किया है। इसे 2.38 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.45 प्रतिशत कर दिया गया है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई घटी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यानी 14 मई को ये आंकड़े जारी किए। रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई 0.76 प्रतिशत से घटकर -1.44 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.66 प्रतिशत से घटकर 2.55 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 0.20 प्रतिशत से घटकर -2.18 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 3.07 प्रतिशत से घटकर 2.62 प्रतिशत रही।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। होलसेल प्राइस इंडेक्स में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल 2025 : बचे मैचों के लिए नया नियम लागू, फ्रेंचाइजी को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) गवर्निंग काउंसिल ने आईपीएल 2025 के शेष चरण के लिए 'अस्थायी प्रतिस्थापन' नियम लागू करने का फैसला किया है। सभी दस फ्रेंचाइजी को सीजन के अंत तक अस्थायी प्रतिस्थापन खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति होगी, लेकिन ये खिलाड़ी 2026 के लिए रिटेंशन के पात्र नहीं होंगे। यह निर्णय भारत-पाकिस्तान सीमा तनाव के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बाद लिया गया, जिसके चलते लीग 17 मई से फिर शुरू होगी और 3 जून को समाप्त होगी।

निलंबन के कारण आईपीएल का शेड्यूल अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से टकरा गया, जिससे जेक फ्रेजर-मैकगर्क और जेमी ओवरटन जैसे विदेशी खिलाड़ी अनुपलब्ध हो गए। कई फ्रेंचाइजी के पास बैकअप खिलाड़ी नहीं हैं, जिसके चलते नियम में बदलाव जरूरी हो गया। मूल नियम के अनुसार, टीमें चोट या बीमारी के मामले में 12वें मैच तक प्रतिस्थापन शामिल कर सकती थीं, लेकिन असाधारण परिस्थितियों के कारण गवर्निंग काउंसिल ने नियमों में ढील दी।

काउंसिल ने फ्रेंचाइजी को सूचित किया कि अस्थायी प्रतिस्थापन खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, व्यक्तिगत कारणों या चोट के चलते अनुपलब्ध खिलाड़ियों की जगह ले सकते हैं। हालांकि, ये खिलाड़ी 2026 की नीलामी में पंजीकरण करना होगा और रिटेंशन के लिए पात्र नहीं होंगे। निलंबन से पहले शामिल प्रतिस्थापन खिलाड़ी रिटेंशन के लिए योग्य रहेंगे। शेष 13 ग्रुप स्टेज मैच बेंगलुरू, जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद में होंगे, लेकिन चार प्लेऑफ और 3 जून के फाइनल के स्थानों की घोषणा बाकी है। निलंबन ने बीसीसीआई को शेड्यूल बढ़ाने के लिए मजबूर किया, जिससे फ्रेंचाइजी के लिए खिलाड़ियों की उपलब्धता चुनौती बन गई है। यह नियम फ्रेंचाइजी को लचीलापन प्रदान करेगा, खासकर उन टीमों को जो विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से जूझ रही हैं। हालांकि, अस्थायी प्रतिस्थापन का सीमित प्रभाव हो सकता है, क्योंकि टीमें लंबे समय तक रणनीति बनाने के लिए इन खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं कर सकेंगी। यह कदम आईपीएल 2025 को सुचारू रूप से पूरा करने और प्रतिस्पर्धा का स्तर बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

श्रीलंका में स्नेह राणा की सफलता का राज धीमी और फुल लेंथ गेंदबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्नेह राणा ने श्रीलंका में त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई और इस ऑफ स्पिनर ने कहा कि उनकी सफलता में गेंदबाजी कोच अविष्कार साल्वी की अहम भूमिका रही। साल्वी ने पिच को काफी अच्छी तरह पढ़ा और स्नेह को कम गति से गेंदबाजी करने की सलाह दी जो उनके काफी काम आई। बल्लेबाजी की अनुकूल पिचों पर स्नेह गेंद की गति में विविधता लाई जो काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। उन्होंने श्रृंखला में 15 विकेट चटकाए और कई देशों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया की कैथरीन फिट्जपैट्रिक के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड की बराबरी की।

स्नेह ने कहा, 'मैंने हमारे गेंदबाजी कोच अविष्कार सर से बात की। उन्होंने हमें बताया कि वहां किस तरह की गेंदबाजी कामयाब रहेगी। गेंद बल्ले पर काफी अच्छी तरह आ रही थी इसलिए हमें धीमी और फुल लेंथ की गेंद फेंकने की सलाह दी गई।' स्पिन ऑफ स्पिनर ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं, मुझे खुशी है कि मुझे इतने लंबे समय बाद राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला। इस जर्सी को दोबारा पहनकर काफी अच्छा महसूस हो रहा है।'

श्रीलंका में सपाट पिचें थी और एक मैच में तो 600 से अधिक रन बने लेकिन स्नेह ने अपनी सटीक गेंदबाजी से बल्लेबाजों पर दबदबा बनाया। स्नेह ने महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट के नूशीन अल खादीर और न्यूजीलैंड की राशेल पुलर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2002 में 12 विकेट चटकाए थे।

स्नेह ने कहा, 'जीत की लय हासिल करना हमेशा अच्छा होता है। इस तरह की परिस्थितियों में दबाव में प्रदर्शन करने से आपको अतिरिक्त आत्मविश्वास और अनुभव मिलता है। और निजी तौर पर इतने लंबे समय के बाद अपने देश के लिए प्रदर्शन करना और श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने से मुझे काफी मदद मिली।'

स्नेह को 2025 महिला प्रीमियर लीग की खिलाड़ियों की नीलामी में किसी टीम ने नहीं चुना और बाद में उन्हें भारतीय टीम में चोटिल श्रेयंका पाटिल के विकल्प के तौर पर जगह मिली। श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन के बाद स्नेह इस साल स्वदेश में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दावेदारों में शामिल हैं।

आईपीएल के बचे मैचों में विराट को कप्तान बनाना चाहती है आरसीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार के चोटिल होने के कारण आईपीएल सत्र के बचे हुए मैचों में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली कप्तानी एक बार फिर कप्तानी संभाल सकते हैं। पाटीदार को पिछले मैच में चोट लग गयी थी जिसे ठीक होने में अभी समय लगेगा। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन एक ऐसे खिलाड़ी को कप्तान बनाना चाहती है जिसे अनुभव हो और इसमें विराट से बेहतर कोई नहीं है। विराट ने लंबे समय तक टीम की कप्तानी की है। 17 मई से फिर शुरु हो रहे सत्र में विदेशी खिलाड़ी भी नहीं रहेंगे। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन चाहता है कि ऐसे व्यक्ति कप्तान बने जिससे टीम के प्रदर्शन में कोई फर्क ना पड़े। आईपीएल के इस सत्र में अब तक आरसीबी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह प्लेऑफ की दौड़ में शामिल है।

टीम अपने पहले खिताब की ओर बढ़ रही है। इसी कारण टीम प्रबंधन के लोग चाहते हैं कि विराट कप्तानी के लिए मान जाएं हालांकि इसकी संभावना कम ही है। विराट ने एक दिन पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी जबकि उन्हें टीम की कप्तानी संभालने कहा गया था। आरसीबी ने आईपीएल में अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 11 मैचों में आठ जीत के साथ ही 16 अंक अंक तालिका किये हैं और वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है।

आरसीबी के पास कप्तानी के लिए अन्य विकल्प के तौर पर कुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ी हैं। टीम के लिए अब लीग के बचे हुए मुकाबले आसान नहीं होंगे क्योंकि बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हो गये हैं। इसके अलावा, जोश हेज़लवुड, फिल साल्ट और लियाम लिविंगस्टोन जैसे विदेशी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण अगले मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। इसके बाद भी आरसीबी प्लेऑफ़ के लिए एक मजबूत दावेदार बनी रहेगी।

इंग्लैंड दौरे पर यशस्वी और राहुल कर सकते हैं भारतीय टीम की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस दौरे में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से भारतीय टीम की बल्लेबाजी में बदलाव नजर आयेगा क्योंकि ये दोनो ही पिछले एक दशक से खेलते रहे हैं। रोहित जहां पारी की शुरुआत करते रहे हैं। वहीं विराट नंबर चार पर खेलते हैं। रोहित की जगह पर अब यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करते दिख सकते हैं। उनके जोड़ीदार के तौर पर अनुभवी केएल राहुल उतरेंगे। इन दोनो ने ऑस्ट्रेलिया में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा

इंग्लैंड में राहुल ने पहले कुछ रन भी बनाए हैं। वहीं नंबर तीन पर शुभमन गिल बल्लेबाज करेंगे। वह पहले भी इसी नंबर पर उतरते रहे हैं। नंबर चार की जगह विराट कोहली के जाने से खाली हो गई है। इसके लिए साई सुदर्शन, करुण नायर और श्रेयस अय्यर जैसे दावेदार हैं। सुदर्शन ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट खेले नहीं खेला है जबकि करुण नायर भी 8 साल से टीम से बाहर हैं। इसके अलावा श्रेयस अय्यर भी करीब डेढ़ साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। ऐसे में इनमें से किसे जगह मिलती है ये देखना होगा। वहीं पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत, छठे नंबर पर नितीश कुमार रेड्डी, सातवें पर रविंद्र जडेजा और 8वें पर वॉशिंगटन सुंदर या शार्दुल ठाकुर खेल सकते हैं। इस तरह भारत के पास कम से कम 8 नंबर तक अच्छी बैटिंग होगी। हालांकि, अभी टीम का सिलेक्शन नहीं हुआ है।

विराट का विकल्प मिलना आसान नहीं रहेगा : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास लेने के कारण खाली हुए चौथे नंबर की कमी को भरना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि विराट लंबे समय से नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। साल 2013 में सचिन तेंदुलकर के संन्यास के बाद से 115 टेस्ट मैचों में से कोहली ने 99 मैचों में चौथे स्थान पर बल्लेबाजी की है। इससे समझा जा सकता है कि इस नंबर पर उनकी अहमियत क्या है। ऐसे में विराट के संन्यास के बाद इस जगह के लिए कई नाम उभरे हैं पर इसके बाद भी उनका सही विकल्प मिलना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कोहली के विकल्प को लेकर कहा, हमें यह पता लगाने के लिए कुछ सीरीज की जरूरत होगी कि नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए कौन सबसे उपयुक्त है, क्योंकि यह एक अहम स्थान है। आपको नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की जरूरत होती है। और इस समय मुझे लगता है कि यह एक ऐसा स्थान है जहां टीम प्रबंधन को यह पता लगाना होगा कि नंबर-4 पर सबसे उपयुक्त खिलाड़ी कौन है। उन्होंने कहा, 'ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं पर अभी तक किसी ने भी अपनी जगह पक्की नहीं की है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कुछ समय लगेगा।'

पुजारा ने आगे कहा, अभी कोई भी फैसला नहीं किया जा सकता है पर यह देखना अहम होगा कि इंग्लैंड में कौन अच्छा प्रदर्शन करता है, क्योंकि जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, वह चौथे नंबर पर खेल सकता है। वहीं, पुजारा ने शुभमन गिल के बारे में कहा, वह निश्चित रूप से एक विकल्प हैं पर अभी वह नंबर-3 पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसे में क्या वह अपना स्थान बदलने तैयार होंगे हमें देखना होगा। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, 'शुभमन ऐसे खिलाड़ी है जो नई गेंदों को खेलने में अधिक सक्षम है। नंबर-3 पर बल्लेबाजी शुरू करने से पहले वह ओपनिंग करते थे। वह तब बल्लेबाजी करना पसंद करते है जब गेंद थोड़ी सख्त और नई हो। क्या वह पुरानी गेंद से खेल पाएंगे? इस समय यह एक बड़ा सवाल है।' दिसंबर 2020 में सबसे लंबे फॉर्मेट में डेब्यू करने के बाद से गिल ने अब तक 32 टेस्ट में शीर्ष तीन से बाहर बल्लेबाजी नहीं की है। उन्होंने 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के चक्र की शुरुआत में नंबर-3 पर खेलने से पहले ज्यादातर पारी की शुरुआत की है। पुजारा का मानना है कि गिल शीर्ष क्रम में बने रहने के लिए सबसे उपयुक्त हैं हालांकि नंबर-4 पर जाने की संभावना को खारिज नहीं किया। पुजारा ने कहा, चूंकि उन्होंने नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए मैं अब भी कहूंगा कि उन्हें शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करनी चाहिए, जो उनकी आइडियल पोजीशन है। यह उनके लिए उपयुक्त है।

शमी बोले अभी संन्यास का इरादा नहीं, अफवाह फैलाने वालों पर भड़के

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। शमी ने उन लोगों को भी आड़े हाथों लिया है जो उनके संन्यास की बातें कर रहे हैं। ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद से ही शमी के संन्यास को लेकर भी काफी अटकलें तेज हो रही हैं। शमी ने सोशल मीडिया में स्क्रीनशॉट साझा करते हुए संन्यास की खबरों को खारिज कर दिया है। शमी ने लिखा, बहुत अच्छा महाराज, अपने काम के दिन भी गिन लो, विदाई का कितना है बाद में देख लो। हमारा आप जैसे लोगों ने नुकसान कर दिया है। भविष्य को लेकर कभी तो अच्छा बोल लिया करें, आज का सबसे खराब स्टोरी, सॉरी। गौरतलब है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिटनेस समस्याओं से परेशान हैं। आईपीएल 2025 में वह हैदराबाद के लिए खेल रहे हैं पर उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और इस वजह से उनके भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। उन्होंने पिछले दो साल से भारत के लिए टेस्ट मैच नहीं खेला है।

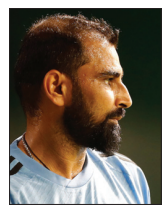

आईपीएल के शेष सत्र में खेलेंगे या नहीं, ट्रेंट बोल्ट ने ले लिया फैसला

मुम्बई । न्यूजीलैंड़ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के शेष सत्र में अपनी टीम मुम्बई इंडियंस के लिए खेलने का निर्णय किया है। 36 वर्षीय बोल्ट को मुम्बई इंडियंस ने मेगा नीलामी में 12.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने IPL के इस सत्र में 8.49 की इकॉनमी रेट से 18 विकेट लिए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वह पूरे टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। पांच बार की चैंपियन मुम्बई को अब भी अपने तीन प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता का इंतजार है। दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकल्टन और कोर्बिन बॉश, और इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स की भागीदारी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड के अनुसार उनके खिलाड़ियों की एनओसी 25 मई तक वैध है। इंग्लैंड के क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने आईपीएल में भाग लेने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 29 मई से शुरू हो रही वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए समय पर लौटने का निर्देश दिया है।

1,151 दिनों से नंबर वन : टेस्ट ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में सबसे लंबे समय तक नंबर 1 की पोजीशन पर रहने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। जडेजा ने 9 मार्च 2022 को वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को पछाड़कर यह शीर्ष स्थान हासिल किया था और तब से अब तक 1,151 दिनों (लगभग 3 साल से अधिक) तक इस पोजीशन पर कायम हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने दिग्गज ऑलराउंडरों जैसे जैक्स कैलिस, कपिल देव और इमरान खान को पीछे छोड़ दिया है।

जडेजा की शानदार ऑलराउंड प्रतिभा

जडेजा ने मार्च 2022 से अब तक 23 टेस्ट मैचों में 36.71 की औसत से 1,175 रन बनाए, जिसमें 3 शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। गेंदबाजी में भी उन्होंने 22.34 की शानदार औसत से 91 विकेट झटके, जिसमें 6

बार पारी में 5 विकेट और 2 बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा शामिल है। उन्होंने भारत को इंग्लैंड, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ कई टेस्ट जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

400 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर वन

वर्तमान में जडेजा 400 रेटिंग पॉइंट्स के साथ आईसीसी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर हैं, जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज 327 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जडेजा का यह दूसरा कार्यकाल नंबर 1 के रूप में है, इससे पहले अगस्त 2017 में वह एक सप्ताह के लिए इस पोजीशन पर रहे थे। जडेजा ने 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में टेस्ट डेब्यू किया। शुरुआती करियर में उन्हें रविचंद्रन अश्विन जैसे स्पिनरों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा, लेकिन 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4-0 की ऐतिहासिक जीत में उनके 24 विकेट ने उन्हें स्थापित कर दिया।

2024 में जडेजा का प्रदर्शन

पिछले साल जडेजा ने 527 रन बनाए और 48 विकेट लिए, जिसने उन्हें ICC टेस्ट टीम ऑफ द ईयर 2024 में जगह दिलाई। चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए टेस्ट में उन्होंने 86 रन बनाए और 5 विकेट लिए, जिसके बाद उनकी रेटिंग 475 के करियर-बेस्ट स्तर पर पहुंच गई। जडेजा की इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर प्रशंसकों ने जमकर उत्साह दिखाया। एक यूजर ने लिखा, '1,151 दिन तक नंबर 1! सर रविंद्र जडेजा, आप भारत के सबसे बड़े ऑलराउंडर हैं।' एक अन्य पोस्ट में कहा गया, 'जडेजा ने 148 साल के क्रिकेट इतिहास में वह कर दिखाया, जो पहले कभी नहीं हुआ।'

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन से बाहर, आकर्षि और उन्नति अगले दौर में

बैंकॉक । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन के पहले दौर से बाहर हो गए हैं जबकि आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर अगले दौर में पहुंच गईं। सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18.21, 21.9, 17.21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे में लय हासिल कर ली लेकिन निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया। प्रियांशु राजावत भी पहले दौर में बाहर हो गए जिन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21.13, 17.21, 21.16 से मात दी। महिला एकल में आकर्षि ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21.16, 20.22, 22.20 से हराया। उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21.14, 18.21, 23.21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18.21, 7.21 से हार गई।

शॉन टेट बने बांग्लादेश के नये गेंदबाजी कोच

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आंद्रे एडम्स के पद छोड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज शॉन टेट को नया तेज गेंदबाजी कोच बनाया है। टेट आंद्रे एडम्स की जगह लेंगे और नवंबर 2027 तक बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ बने रहेंगे। बीसीबी ने कहा कि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और गेंदबाजी कोच के रूप में टेट के पास अच्छा अनुभव है जिसका लाभ बांग्लादेश की टीम को मिलेगा। टैट ने सभी प्रारूपों में 59 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए अपनी तेज गति और आक्रामक गेंदबाजी से 95 विकेट लिए हैं। इससे पहले वह पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान की टीम के गेंदबाजी कोच रहे हैं। वहीं टेट ने बांग्लादेश टीम का कोच बनाये जाने पर खुशी जतायी और कहा, 'अभी बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ जुड़ने का अच्छा समय है। उसके यहां नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और हर कोई उम्मीद करता है कि नई प्रतिभाएं बेहतर परिणाम लाएगी। मेर लक्ष्य गेंदबाजों को और बेहतर बनाते हुए टीम को जीत की ओर ले जाना रहेगा।' टेट के अनुसार मुख्य कोच फिल सिमंस के साथ काम करने का अवसर मिलना भी उनके लिए खुशी की बात है। वह इसके लेकर उत्साहित हैं।'

भारतीय टीम में बहुत अधिक प्रतिभा है, रोहित-कोहली के संन्यास पर बोले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज

नई दिल्ली - इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले अब तक के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक बताया है और उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत के पास अनुभवी खिलाड़ियों के संन्यास के बाद उनकी जगह लेने के लिए पर्याप्त प्रतिभा है। कोहली ने सोमवार 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया और 123 मैचों में 9,230 रन बनाकर अपने 14 साल के शानदार करियर का अंत किया जिसमें 30 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं। कोहली ग्रीम स्मिथ (53 जीत), रिकी पोंटिंग (48 जीत) और स्टीव वॉ (41 जीत) के बाद चौथे सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। कोहली के 30 टेस्ट शतक उन्हें सचिन तेंदुलकर (51 शतक), राहुल द्रविड़ (36) और सुनील गावस्कर (34) के बाद चौथे सबसे सफल भारतीय बल्लेबाज बनाते हैं। कोहली ने 7 टेस्ट दोहरे शतक भी बनाए, जो किसी भारतीय द्वारा अब तक का सबसे अधिक है। 36 वर्षीय भारतीय दिग्गज ने एंडरसन के साथ एक महाकाव्य प्रतिद्वंद्विता साझा की, जिसमें कई अविस्मरणीय लड़ाइयां हुईं। उन्होंने इंग्लैंड के महान खिलाड़ी के खिलाफ 36 पारियों में 43.57 की औसत से 305 रन बनाए, जबकि सात बार उनके सामने हारे। एंडरसन ने कहा, 'महान खिलाड़ी। शर्मा के संन्यास लेने के कारण एक नया कप्तान होगा। कोहली, अब तक के सबसे महान टेस्ट बल्लेबाजों में से एक। वहां बड़े पद भरने हैं, लेकिन उनके दल में बहुत अधिक प्रतिभा है। आपको बस आईपीएल देखना होगा। वे अब आईपीएल से ऐसे खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट में ला रहे हैं जो बहुत ही आक्रामक और निडर हैं।' कोहली का यह निर्णय रोहित शर्मा द्वारा सबसे लंबे प्रारूप में अपने करियर को समाप्त करने की आश्चर्यजनक घोषणा के तुरंत बाद आया। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज कोहली और रोहित ने भारत के इंग्लैंड दौरे से ठीक एक महीने पहले संन्यास ले लिया, जो एक नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (WTC) चक्र की शुरुआत का प्रतीक होगा। एंडरसन ने कहा, 'यह एशेज के साथ एक बहुत बड़ा साल है, लेकिन कुछ गति बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अगर मैं ईमानदारी से कहूं, तो अपने करियर को पीछे देखता हूं, तो ऐसा बहुत बार हुआ है, जब एशेज से 18 महीने पहले प्रबंधन और यहां तक कि खिलाड़ी भी उसी की ओर देखने लगे और वास्तव में भूल गए कि उनके सामने क्या है। भारत घर पर भी एक कठिन चुनौती होने जा रहा है। वे एक मजबूत टीम हैं।'

पहलगाम हमला: पाकिस्तान का राजगीर में एशिया कप हॉकी खेलना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच इस साल हीरो एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान का भाग लेना मुश्किल लग रहा है। एशिया कप बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर के बीच खेला जायेगा । मेजबान भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपै को इसमें भाग लेना है। यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा लेकिन हम सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करेंगे जैसा पहले भी होता आया है। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले और आपरेशन सिंदूर के बाद अभी कुछ कहना मुश्किल है। अभी टूर्नामेंट में तीन महीने का समय है लेकिन हम सरकार की सलाह का पालन करेंगे। इसमें कोई दोराय नहीं है।'

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की मौत हो गई थी जिसमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद से भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानियों को देश छोड़कर जाने के आदेश दिए। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर आपरेशन सिंदूर के जरिये मिसाइल हमले किए। पाकिस्तान ने जवाब में ड्रोन और मिसाइल हमले किए जिन्हें भारत की शानदार वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। भारत ने पाकिस्तान के कई प्रमुख शहरों में सैन्य ठिकानों और वायु रक्षा प्रणाली को नेस्तनाबूद कर दिया। दोनों देश दस मई को युद्धविराम पर राजी हो गए जब पाकिस्तान के सैन्य अभियान के महानिदेशक ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया। महासंघ के एक सूत्र ने कहा, 'अगर सरकार मंजूरी नहीं देती है तो पाकिस्तानी टीम यहां नहीं आएगी। यह सब सरकार के उस समय के रूख पर निर्भर करता है।' अगर पाकिस्तान को भारत आने की मंजूरी नहीं मिलती है तो टूर्नामेंट सात टीमों के साथ होगा या एक नयी टीम को बुलाया जाएगा। यह फैसला एशियाई हॉकी महासंघ लेगा। एक अधिकारी ने बताया, 'अभी यह कहना मुश्किल है कि नई टीम कौन सी होगी या यह सात टीमों के साथ ही होगा। एशियाई हॉकी महासंघ इस पर फैसला लेगा।' पाकिस्तान हॉकी टीम ने पिछली बार लखनऊ में 2016 जूनियर विश्व कप नहीं खेला था जो पठानकोट आतंकवादी हमले के कुछ महीने बाद ही हुआ था। उसकी जगह मलेशिया को शामिल किया गया था। मौजूदा हालात में पाकिस्तान का 28 नवंबर से दस दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप में खेलना भी मुश्किल है। एशिया कप अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चे के अंदर दिखें ये बदलाव तो पेरेंट्स न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं एंग्जायटी के लक्षण

अगर बच्चा किसी काम को करने से पहले घबराता है, हथेलियों पर पसीना आए या फिर लोगों से मिलने-जुलने से कतराने लगे। तो पेरेंट्स को अपने बच्चे के इस बदलते व्यवहार के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता-पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एंग्जायटी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चे का गुस्सैल होना - अगर बच्चे में एंग्जायटी की समस्या की समय रहते पहचान न की जाए, तो इसका सीधा असर बच्चे के लिए बिहेवियर पर देखने को मिलता है। बच्चा गुस्सैल हो जाता है किसी भी काम को करने से पहले झुंझलाते या फिर घबराते हैं।

तैयारी के बाद भी एग्जाम में जाने से डरना

एंग्जायटी की समस्या से गुजरने वाले बच्चों के अंदर एग्जाम को लेकर डर बैठ जाता है। अच्छी तैयारी होने के बाद भी उनको लगता है कि वह अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। कई बार वह परीक्षा न देने के लिए बहाने ढूंढते हैं या फिर उससे बचने का प्रयास करते हैं। अच्छी तैयारी होने के बाद भी वह खुद पर भरोसा नहीं कर पाते हैं।

घर से बाहर जाने में घबराहट

अगर बच्चा घर से बाहर जाने में कतराता है या किसी पार्टी व रिश्तेदार के यहां जाने से बचता है या फिर कई बार शॉपिंग पर जाने से मना करना। बच्चे का स्कूल जाने की इच्छा नहीं होना और न अपने दोस्तों से मिलना।

भूख और नींद कम होना

बता दें कि एंग्जायटी का असर बच्चे की नींद और भूख पर भी देखने को मिलता है। पहले जिन खेलों या एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए बच्चा आगे रहता था, अब उसमें वह हिस्सा लेने से पीछे हट जाता है। या फिर डांसिंग, सिंगिंग या ड्राइंग जैसी मनपसंद एक्टिविटी में मन नहीं लगना।

एंग्जायटी के लक्षण

पेट दर्द या सिरदर्द की शिकायत
जी घबराना या उल्टी होना
सांस लेने में तकलीफ
ज्यादा पसीना आना
ऐसे पहचानें पेरेंट्स

पहले जिन कामों को करने में बच्चा दिलचस्पी दिखाता था, अब उन्हीं कामों को वह बोझ समझने लगा है।

बच्चा अगर किसी काम को करने से पहले ही यह कह दे कि वह मुझसे नहीं होगा।

बच्चे का बार-बार बीमार पड़ना और रात में नींद कम आना।

बच्चे का बाहर जाने से मना करना।

किसी से मिलने-जुलने में कंफर्टेबल फील नहीं करना।

काम को न करने के लिए बच्चे द्वारा नए-नए बहाने बनाना।

जानिए क्या करें पेरेंट्स

बच्चे के व्यवहार में बदलाव देखने के बाद पेरेंट्स उनसे ज्यादा से ज्यादा बात करने का प्रयास करें। साथ ही यह भी प्रयास करें कि आखिर बच्चा किस बात को लेकर परेशान हो रहा है। इसलिए बच्चे की बात को बेफिजूल मानकर नहीं टालना चाहिए। बच्चे को ऐसे फील कराएं कि आप उनका साथ हर स्थिति में देंगे। बच्चे के आसपास रहें और उनको कंफर्टेबल फील कराने का प्रयास करें। उनकी डाइट का ध्यान रखें। बच्चे की सेहत पर यदि एंग्जायटी का ज्यादा असर नजर आने लगा है तो किसी अच्छे साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर से बात करने में बिल्कुल भी देर नहीं करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

केरल में भी हैं जम्मू-कश्मीर जैसी जगहें, जानें कहां और कैसा है वहां का नजारा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में तनाव का माहौल है. कई लोग अब जम्मू-कश्मीर जाने से डर रहे हैं. ऐसे में इस ठंडे राज्य में गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए जिन लोगों ने पहले से टिकट बुक कर रखे थे, उनमें से ज्यादातर लोग अपनी टिकट कैंसिल करा रहे हैं. इन सभी के दिमाग में एक बात जरूर आ रही होगी कि अगर वो जम्मू-कश्मीर की टिकट कैंसिल करा रहे हैं तो इस गर्मी के मौसम में भारत के किस राज्य में जाना बेहतर रहेगा. ऐसे में आज इस खबर के जरिए जानिए कि गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए भारत में कौन सी जगह सबसे अच्छी रहेगी...

केरल के वायनाड जिले में स्थित कलपेट्टा नामक इलाका बेहद शांत और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर जगह है. यह जगह आपको बेहद पसंद आएगी. प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह हिल स्टेशन पर्यटकों को एक नया अनुभव देता है. आइए अब इस जगह के बारे में पूरी जानकारी जानते हैं.

केरल के बारे में सोचते ही सबसे पहले उनके दिमाग में मुन्नार या थेक्कडी जैसी जगहें आती हैं. दरअसल, ये दोनों ही जगहें लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं. लेकिन केरल में और भी कई नई और अनोखी जगहें . इनमें से एक है कलपेट्टा. जी हां ! हममें से कई लोगों ने अब तक कलपेट्टा के बारे में नहीं सुना होगा. लेकिन यह एक ऐसी जगह है जो लोगों के दिलों को मोह लेती है. यह ऊंची पहाड़ियों और हरे-भरे जंगलों का एक सुंदर मिश्रण दृश्य प्रस्तुत करता है.

कलपेट्टा केरल के वायनाड जिले में स्थित एक जगह है. यहां चारों तरफ हरे-भरे पेड़ और प्राकृतिक सुंदरता है. यहां जाने वाले हर व्यक्ति के लिए यह एक अच्छा अनुभव होगा. यह बहुत ही शांत वातावरण वाली जगह है. यह समुद्र तल से लगभग 780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. पश्चिमी घाटों के बीच स्थित इस जगह पर मौसम हमेशा ठंडा रहता है. गर्मियों में भी ठंड कभी कम नहीं होती. यही कारण है कि यह पूरे साल घूमने के लिए एक आदर्श जगह है.

कलपेट्टा के आसपास मेप्पाडी नामक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चाय के बागान हैं. इन हरे-भरे क्षेत्रों के बीच घूमना एक अद्भुत एहसास देता है. हर पर्यटक इनके बीच के रास्तों पर घूमना और फोटो लेना पसंद करता है. कलपेट्टा से 15 किमी दूर एक खूबसूरत झील है. वहां नाव से यात्रा करना और पक्षियों को देखना बहुत आनंददायक है. इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है. यह प्राकृतिक झील समय बिताने के लिए एक शांतिपूर्ण स्थान प्रदान करती है.

यदि आप कहीं ठंडी जगह जाना चाहते हैं, चाहे गर्मी की छुट्टियों में या मानसून के मौसम में, तो कलपेट्टा सबसे अच्छा विकल्प है. यह एक ऐसा हिल स्टेशन है जिसकी प्राकृतिक सुन्दरता के बारे में बहुत से लोगों को जानकारी नहीं है. यदि आप कुछ नया देखना चाहते हैं और यातायात और अराजकता से दूर एक शांत, ठंडी जगह में समय बिताना चाहते हैं, तो आपको निश्चित रूप से कलपेट्टा की यात्रा करनी चाहिए.

रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे, बदलाव देख रह जाएंगे हैरान

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं आंवला पाउडर और जीरे का पानी

आंवला पाउडर - 1 चम्मच सूखा
जीरा पाउडर - 1 चम्मच भुना हुआ
पानी - 1 गिलास गुनगुना

इन सभी चीजों को पानी में मिलाकर उबाल लें और फिर सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी।

इम्युनिटी

आंवला विटामिन सी का मुख्य सोर्स है। यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

वेट लॉस

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फैट कम करता है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन भूख कम करने के साथ ही शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने में सहायक है।

डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी

आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिवर को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है। इसलिए रोजाना सुबह खाली पेट इसको पीने से बॉडी डिटॉक्स होता है और शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है। वहीं यह पिगमेंटेशन और मुंहासों को भी दूर करता है। वहीं जीरे का पानी भी बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह बालों का झड़ना कम करने के साथ उनको मजबूत बनाता है।

डायबिटीज होगी कंट्रोल

दरअसल, आंवले में क्रोमियम नामक मिनरल पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। तो वहीं जीरा भी इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गवई बने भारत के पहले बौद्ध और दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली।

न्यायमूर्ति बी आर गवई ने बुधवार को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वह देश के पहले बौद्ध और दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। इससे पहले न्यायमूर्ति के जी बालकृष्णन दलित समुदाय से पहले सीजेआई बने थे। न्यायमूर्ति गवई को राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई। गवई ने हिंदी में शपथ ली। उन्होंने सीजेआई संजीव खन्ना की जगह ली है जो मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं। न्यायमूर्ति बी आर गवई को 24 मई, 2019 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उनका कार्यकाल छह महीने से अधिक समय का होगा और वह 23 नवंबर तक पद पर रहेंगे। शपथ ग्रहण से एक दिन पहले बार एंड बेंच को दिए साक्षात्कार में गवई ने कहा था कि मैं हमेशा सामाजिक और आर्थिक न्याय का पक्षधर रहा हूं। उन्होंने बताया कि न्यायपालिका में लंबित मामलों की संख्या को कम करना और निचली अदालतों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में है।न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों तक लंबित मामलों की समस्या को प्राथमिकता से हल करना चाहता हूं। उच्च न्यायालयों का बुनियादी ढांचा बेहतर है, लेकिन निचली अदालतों में अब भी समस्याएं हैं। उन्होंने माना कि उनका कार्यकाल केवल छह महीनों का है, इसलिए वे कोई बड़े वादे नहीं करना चाहते, लेकिन जो भी कर सकें, व्यावहारिक रूप से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में मामलों की सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया लंबित मामलों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां अभी दो दिन गैर-महत्वपूर्ण मामलों और एक दिन नियमित मामलों के लिए होता है, जिससे नियमित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि वह अपने सहयोगी न्यायाधीशों के साथ इस पर चर्चा करेंगे और व्यावहारिक समाधान खोजने की कोशिश करेंगे।

हाल ही में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर कैश बरामद होने के मामले पर टिप्पणी करते हुए गवई ने कहा कि 900 न्यायाधीशों में से ऐसे मामलों की संख्या बहुत कम है, लेकिन इतनी भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। जनता हमारे ऊपर भरोसा करती है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इन-हाउस जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की प्रक्रिया को तय नियमों के तहत ही देखेंगे।

केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिशों पर निर्णय में हो रही देरी को लेकर न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि वे सरकार के साथ संवाद स्थापित कर लंबित नियुक्तियों को जल्द से जल्द निपटाना चाहेंगे।

उन्होंने कहा कि नियुक्तियों में पारदर्शिता जरूरी है, लेकिन इसके साथ योग्यता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अगर कोई न्यायाधीश के परिवार से है, लेकिन योग्य है, तो केवल संबंध के कारण उसे नकारा नहीं जा सकता। न्यायमूर्ति गवई ने माना कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट में दलित प्रतिनिधित्व तय करने के लिए पदोन्नत किया गया था। उन्होंने कहा कि विविधता से यह फायदा होता है कि विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले न्यायाधीश समाज की जमीनी हकीकतों को बेहतर समझते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम हाईकोर्ट कॉलेजियमों से अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों, खासकर महिलाओं को प्राथमिकता देने की अपील कर रहा है।

गवई ने कहा कि कोई भी न्यायाधीश आलोचनाओं से प्रभावित होकर निर्णय नहीं लेता है। एक न्यायाधीश को केवल अपने विवेक और कानून के आधार पर फैसला करना चाहिए, न कि आलोचनाओं के डर से।

उन्होंने कहा कि मैं सोशल मीडिया नहीं देखता। मैं न इंस्टाग्राम पर हूं, न एक्स पर।

अगर आपका विवेक कहता है कि आप सही हैं, तो किसी की आलोचना से डरने की जरूरत नहीं है।

पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ द्वारा सुप्रीम कोर्ट में शुरू की गई तकनीकी पहल को जारी रखने की बात करते हुए गवई ने कहा कि हम इसे आगे बढ़ाते रहेंगे। हमारे पास एक अनुभवी तकनीकी अधिकारी है जो एनआईसी से हैं और नई सुविधाओं पर काम कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति गवई ने साफ कहा कि वह सेवानिवृत्ति के बाद किसी भी सरकारी पद को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं सीजेआई पद छोड़ने के बाद कोई सरकारी पद नहीं स्वीकार करूंगा।

एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के नाम पर लोगों से ठगी, जयपुर पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया

एडवांस लेकर ग्राहक का नंबर ब्लॉक कर देते थे

जयपुर।

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म ठगी का जरिया बने हैं। जयपुर में एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के भी सोशल मीडिया का बेजा इस्तेमाल हो रहा है। जयपुर पुलिस को एक गिरोह की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की गई। जयपुर पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया है। ये चारों बदमाश एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के लिए सोशल मीडिया पर पोस्टर लगाते थे। उसमें मोबाइल नंबर भी लिखते थे। जब कोई व्यक्ति एस्कॉर्ट सर्विस लेने या बॉडी मसाज के लिए तैयार होता तब कुछ अमाउंट एडवांस में जमा करने की बात कहते थे। एडवांस के नाम पर इन आरोपियों ने हजारों लोगों को ठग लिया। पुलिस ने बताया कि ठगी करने वाले चारों आरोपी बड़े शातिर हैं। उन्हें लगा कि नियमित रूप से एक ही सिम से ठगी करने पर वे पकड़े जा सकते हैं। इसकारण वे हर तीन चार दिन बाद सिम को बदल लेते थे। एक बार किसी के साथ जिस मोबाइल नंबर से बात करके ऑनलाइन पेमेंट मंगाते। उस सिम सिर्फ दो या तीन दिन में तोड़कर फेंक देते थे। ताकि रुपए ट्रांसफर करने वाला फिर से परेशान नहीं करे और अगर पुलिस में शिकायत करने पर पकड़ में नहीं आ सके। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक आरोपी कमलेश चौधरी टेलीकॉम कंपनी में प्रमोटर का काम करता है। वहां फैक्ट्री एरिया में काम करने वाले मजदूरों को अतिरिक्त रिचार्ज का लालच देकर नई सिम दिलवाता था। वह उनके नाम से दो सिम खरीदता, जिसमें से एक सिम अपने पास रख लेता था और दूसरी सिम मजदूरों को देता था। पिछले दो तीन महीनों में कमलेश ने 149 फर्जी सिम खरीदी थी। एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के लिए अगर कोई ग्राहक इन आरोपियों से संपर्क में आता, तब ग्राहक से 2000-5000 रुपए एडवांस में मंगाए जाते थे। जैसे ही एडवांस पेमेंट होता। तभी ग्राहक के मोबाइल नंबर को ब्लॉक कर दिया जाता था। दो तीन दिन में एक सिम से वारदातें करने के बाद उस सिम को तोड़कर फेंक दिया जाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सिम कार्ड जारी करने की मशीन, 8 मोबाइल, 24 सिम कार्ड, 8 एटीएम, कुछ पासबुक और 19,500 रुपए जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कालवाड़ रोड निवासी विनोद चौधरी, करधनी निवासी कमलेश चौधरी, गोविंदपुरा निवासी राजू जाखड़ और मदन शामिल हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान के बाद भाजपा लगी डैमेज कंट्रोल करने, बीजेपी नेता पहुंचे सोफिया के घर बताया 'देश की बेटी'

छतरपुर। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार के मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद सियासी घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस के तीखे विरोध और इस्तीफे की मांग के बीच अब भारतीय जनता पार्टी डैमेज कंट्रोल मोड में आ गई है। बीजेपी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का संदेश लेकर कर्नल सोफिया के छतरपुर स्थित निवास पर पहुंचा और उन्हें देश की बेटी बताते हुए सम्मान प्रकट किया है। पूर्व विधायक मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में पहुंचे नेताओं ने कर्नल सोफिया कुरैशी और उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके सम्मान में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। यह पहल मंत्री विजय शाह के बयान के बाद बढ़ते राजनीतिक दबाव को कम करने की कोशिश के तौर पर देखी जा रही है। इससे पहले मंत्री विजय शाह ने अपने बयान पर माफी मांग ली और सफाई दी कि प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा तथा संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। लेकिन बीजेपी आलाकमान शाह के बयान से नाखुश बताया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने सेना का अपमान बताया। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर आक्रामक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे बेहद गैर-जिम्मेदाराना और सेना का अपमान बताया। उन्होंने कहा, जब पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, तब बीजेपी का मंत्री ऐसी नफरत फैलाने वाली बात कहता है। प्रधानमंत्री सेना को सलाम करते हैं और उनके मंत्री उल्टे बयान दे रहे हैं। इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने मांग की है कि विजय शाह को तत्काल मंत्री पद से हटाया जाए और बीजेपी यह स्पष्ट करे कि यह बयान उनकी निजी सोच थी या पार्टी की लाइन। साथ ही मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी इस संबंध में कार्रवाई की अपील की है। यहां बताते चलें कि कर्नल सोफिया कुरैशी देश की पहली महिला अधिकारी हैं, जिन्होंने एक अंतरराष्ट्रीय सैन्य दल का नेतृत्व किया है। उनके सम्मान को लेकर उठे इस विवाद ने ना सिर्फ राजनीतिक माहौल गर्म किया है, बल्कि सेना से जुड़े विषयों को लेकर सार्वजनिक संवेदनशीलता को भी उजागर किया है।

गुजरात के दौरे पर आएंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भुज एयरबेस पर जवानों से करेंगे मुलाकात

अहमदाबाद।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात दौरे पर आने वाले हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 16 और 17 मई को भुज एयरबेस का दौरा करेंगे और जवानों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के ड्रोन, मिसाइलों और आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले करके मुंहतोड़ जवाब दिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के बाद देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात के दौरे पर आ रहे हैं। रक्षा मंत्री 16 और 14 मई को भुज एयरबेस का दौरा करेंगे। यहां वे जवानों से बातचीत करेंगे। इस दौरान पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। खबर है कि रक्षा मंत्री के इस दौरे को लेकर वायुसेना प्राधिकरण की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। रक्षा मंत्री के अपने दौरे के दौरान वायु सेना, बीएसएफ और सेना के अधिकारियों से मिलने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों पर गोलियां चलाकर 26 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ भारी आक्रोश फैल गया। भारतीय वायुसेना ने 6-7 मई की दरम्यानी रात को पाकिस्तान में 9 आतंकवादी ठिकानों पर हवाई

हमले किए और उन्हें नष्ट कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत ने पाकिस्तान के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 10 मई को दोनों देशों द्वारा युद्ध विराम की घोषणा की गई थी।

ड्रेगन फैला रहा था प्रोपेगेंडा, भारत ने कर दी 'डिजिटल स्ट्राइक'

केंद्र सरकार ने चीन के सरकारी समाचार हैंडल अकाउंट को किया बैन

नई दिल्ली।

भारत ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद अब चीन पर डिजिटल स्ट्राइक की है। केंद्र सरकार ने बुधवार को चीन के सरकारी समाचार हैंडल अकाउंट को बैन कर दिया है।

यह कदम चीन द्वारा लगातार फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा के चलते लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह कदम इसलिए उठाया गया जब इस अकाउंट ने भारत और पाकिस्तान में तनाव के बीच भारतीय सेना को लेकर झूठे और अपुष्ट दावे किए थे। चीन के मुखपत्र द्वारा लगातार फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा को लेकर भारतीय दूतावास ने सख्त चेतावनी दी थी। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने कहा था कि कृपया किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी पोस्ट करने से पहले तथ्यों को जांचें और अपने स्रोतों की पुष्टि करें।

यह पूरा मामला ऑपरेशन सिंदूर के बाद का है।

कुछ पाकिस्तानी मीडिया और सोशल मीडिया अकाउंट्स ने दावा किया था कि पाकिस्तान ने भारतीय वायुसेना का एक राफेल विमान मार गिराया है। चीनी समाचार पत्र में इन फर्जी दावों को फैलाने और प्रमुखता से छापने का आरोप है।

फेक्ट चेट टीम ने इन दावों को लेकर वायरल हो रही तस्वीर को भ्रामक और पुरानी बताया था। टीम ने स्पष्ट किया था कि यह तस्वीर दरअसल 2021 में पंजाब के मोगा जिले में हुई एक एमआईजी-21 दुर्घटना की है और इसका वर्तमान ऑपरेशन सिंदूर से कोई लेना-देना नहीं है।

बुधवार को विदेश मंत्रालय ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलने की कोशिश पर भी कड़ा एतराज जताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन की यह रचनात्मक नामकरण की कोशिशें व्यर्थ हैं।

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

एस-400 सिस्टम का कमाल देखकर भारत ने रूस से मंगाई नई खेप

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 ने भारत की वायु रक्षा में बेहद खास भूमिका निभाई। पाकिस्तान की ओर से दागी गई मिसाइलों व ड्रोनों को रोकने और विफल करने में इसकी सटीकता काम आई। एस-400 के चलते पाकिस्तानी जेट विमानों और मिसाइलों को मिशन रद्द करने या मार्ग बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसी स्थिति में उसके हमले की योजनाओं को गंभीर झटका लगा। पश्चिमी सीमा से आने वाले हवाई खतरों को त्वरित और प्रभावी ढंग से नष्ट किया, जिससे भारत की रक्षा क्षमता मजबूत हुई। इस शानदार प्रदर्शन ने ही भारत को अतिरिक्त यूनिट्स के लिए रूस से अपील को प्रेरित किया। एस-400 की तैनाती ने न केवल भारत के रक्षा ढांचे को मजबूती दी, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता में भी योगदान दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों से यह संकेत मिला कि रूस निकट भविष्य में इस अपील को मंजूरी दे सकता है। रूस में बना एस-400 सिस्टम भारतीय सेना में पहले से ही तैनात है। हाल के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान की ओर से दागी गई मिसाइलों और ड्रोनों को रोकने में इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रूस का एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है, जिसे विभिन्न हवाई खतरों जैसे विमान, ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सिस्टम 600 किमी तक टारगेट को ट्रैक और 400 किमी

की रेंज में उन्हें नष्ट कर सकता है। इसका अपडेटेड फेज्ड-ऐरे रडार एक साथ 100 से अधिक लक्ष्यों को ट्रैक करता है। एस-400 चार प्रकार की मिसाइलें दाग सकता है, जो विभिन्न दूरी और ऊंचाई पर खतरों का मुकाबला करती हैं। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5.43 बिलियन डॉलर में 5 एस-400 यूनिट्स का सौदा किया, जिनमें से पहली 2021 में पंजाब में तैनात की गई।

तुर्की के ड्रोन ही नहीं....तुर्की के सैन्यकर्मी ड्रोन हमलों में शामिल

बेशर्म तैय्यप एर्दोगन का असली चेहरा आया भारत के सामने

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चली लड़ाई में पाकिस्तान ने भारी मात्रा में तुर्की के दिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। अब इसबारे में नई जानकारी सामने आई है जिसके मुताबिक, दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार अलग-अलग हमलों में कुल 350 से अधिक टर्किश ड्रोन का इस्तेमाल हुआ। इतना ही नहीं पाकिस्तान में मौजूद तुर्की के सैन्यकर्मी भारत के खिलाफ ड्रोन हमलों में शामिल थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत पर ड्रोन हमले करने में तुर्की के सलाहकारों ने पाकिस्तानी सेना की मदद की थी। सूत्र ने बताया कि भारत की जवाबी कार्रवाई में तुर्की के दो ड्रोन ऑपरेटर भी मारे गए हैं।

पाकिस्तान ने कथित तौर पर भारत के खिलाफ टीबी2 ड्रोन और वॉयईएचएस ड्रोन का इस्तेमाल किया। बताया जाता हैं कि इन ड्रोनों का इस्तेमाल लक्ष्य निर्धारण और खुद को नष्ट कर दुश्मन को नुकसान पहुंचाने के लिए जाता है। लड़ाई चार दिनों तक चली जिसमें तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया।

भारत सरकार ने कहा कि गुरुवार रात पाकिस्तान ने जिन ड्रोन से भारत के उत्तरी और पश्चिमी मोर्चों पर हमला करने की कोशिश की, उनके मलबे की शुरुआती जांच से पता चलता है ड्रोन तुर्किए मूल के सोंगर सशस्त्र ड्रोन सिस्टम के हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीधी लड़ाई शुरू होने से पहले तुर्किए नौसेना का एक युद्धपोत कराची बंदरगाह पर पहुंचा था।

युद्धपोत के कराची पहुंचने से पहले तुर्किए के सी-130 एयरक्राफ्ट ने कराची में लैंड किया था।

पाकिस्तान की मीडिया में दावा किया गया कि एयरक्राफ्ट में लड़ाकू हथियार हैं।

लेकिन तुर्किए के रक्षा मंत्रालय ने उन दावों को खारिज करते हुए कहा कि एयरक्राफ्ट ईंधन भरने के

लिए कराची में उतरा था न कि उससे पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई की गई।

तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन भी पूरे तनाव के दौरान पाकिस्तान के साथ खड़े दिखाई दिए।

भारत के एयरस्ट्राइक में पाकिस्तानी आतंकियों की मौत की खबर आने के बाद एक्स पर लिखा था, हम इससे फिक्रमंद हैं कि पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव मिसाइल हमलों के कारण व्यापक संघर्ष में बदल सकता है, इसकारण बड़ी संख्या में नागरिक शहीद हो सकते हैं।

मैं हमलों में अपनी जान गंवाने वाले हमारे भाइयों के लिए अल्लाह से रहम की प्रार्थना करता हूं, और मैं फिर पाकिस्तान के भाई जैसे लोगों और पाकिस्तान के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

एसीबी टीम ने मुंबई पुलिस के सीनियर इंस्पेक्टर को एक लाख की रिश्वत लेते पकड़ा

मुंबई।

महाराष्ट्र एंटी करप्शन ब्यूरो ने मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के मुताबिक बाबूराव मधुकर देशमुख (57) को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। वह मुंबई के शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के तौर पर तैनात थे।मीडिया रिपोर्ट में एसीबी अधिकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता एक शैक्षणिक ट्रस्ट का ट्रस्टी है। 15 अगस्त 2024 को कुछ व्यक्तियों के समूह ने स्कूल का गेट तोड़ दिया। इसके

बाद वे ट्रस्ट परिसर में जबरन घुस गए थे। ट्रस्टी ने मुंबई के शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन और चैरिटी कमिश्नर में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में शिकायतकर्ता की मदद करने और चैरिटी कमिश्नर कार्यालय से अंतिम आदेश आने तक जबरदस्ती स्कूल परिसर में प्रवेश करने से रोकने के लिए देशमुख ने तीन लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। एसीबी के मुताबिक रिश्वत देने की बातचीत के बाद 2.5 लाख रुपए राशि तय हुई थी। देशमुख को 1 लाख रुपए की पहली किस्त लेते हुए पकड़ा गया। एसीबी टीम ने उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया था और बाद में उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार किया। फिलहाल इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में 6 करोड़ रुपये से अधिक का ड्रग्स जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

मुंबई।

मुंबई के गोवंडी इलाके में शिवाजी नगर पुलिस ने एक घर से 6 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स जब्त की है और वहां रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद मंगलवार रात पुलिस ने शेख के घर पर छापा मारा और वहां से ड्रग्स जब्त किया। इसके बाद पुलिस ने वहां रह रहे 23 वर्षीय आरोपी सलमान शेख को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान 6 करोड़ रुपये की 3 किलोग्राम मेफेड्रोन एमडी ड्रग्स, 2.40 लाख रुपये का 12 किलोग्राम गांजा, 18 हजार रुपये की कोडीन फॉस्फेट (कोरेक्स) की 36 बोतलें और 1.30 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। आरोपी शेख को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसने ड्रग्स कहां से प्राप्त किया।

पुणे और मुंबई हवाई अड्डे पर 10.3 करोड़ रुपये मूल्य की हशीश जब्त

मुंबई।

महाराष्ट्र में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पुणे हवाई अड्डे और मुंबई में करीब 10.3 करोड़ रुपये मूल्य की हशीश सहित मादक पदार्थ जब्त किए है। इसकी जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। मामले में दो को गिरफ्तार भी किया गया है। अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर डीआरआई की मुंबई क्षेत्रीय इकाई ने बैंकॉक से पुणे उतरने पर दो यात्रियों को रोक लिया। इस दौरान जब उनके सामना की तलाशी ली गई, तब उनके बैग से 9.86 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (एक प्रकार का मारिजुआना) के एयरटाइट पाउच बरामद हुआ। वहीं, मुंबई में भी इसतरह की कार्रवाई में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से तलाशी में हशीश और हाइड्रोपोनिक वीड सहित 478 ग्राम मादक पदार्थ बरामद हुए हैं। बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है, जब ड्रग्स को लेकर इस तरह की कार्रवाई की गई। इससे पहले भी महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों से कई लोगों की ड्रग्स मामले को लेकर गिरफ्तारी की जा चुकी है।

पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर एक संदिग्ध व्यक्ति गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिले इनपुट पर कार्रवाई

पठानकोट। पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। संदिग्ध जम्मू से पूजा एक्सप्रेस से पठानकोट आ रहा था। जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिले इनपुट पर पठानकोट रेलवे पुलिस ने संदिग्ध को पकड़ लिया। ट्रेन से उतरते ही संदिग्ध को हिरासत में लेकर कठुआ जीआरपी के हवाले कर दिया है। जम्मू-कश्मीर रेलवे पुलिस को संदिग्ध की गतिविधियों पर पहले से शक था। संदिग्ध की पहचान और उसके इरादों के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। यह क्षेत्र पहले भी आतंकी गतिविधियों के लिए संवेदनशील रहा है। जम्मू-कश्मीर और पंजाब सीमा पर हाल में संदिग्ध गतिविधियां देखी गई हैं। घटना के बाद पठानकोट और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि बठिंडा में पुलिस ने आर्मी कैंट में काम करने वाले एक जासूस को गिरफ्तार किया था। शख्स का नाम रकीब है। रकीब आर्मी कैंट में दर्जी का काम करता था। बठिंडा आर्मी कैंट के अधिकारियों को रकीब की गतिविधियों पर शक हुआ, उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रकीब को अरेस्ट कर लिया। पुलिस ने रकीब का फोन जब्त कर फोरेंसिक लैब भेज दिया। पुलिस को उम्मीद है कि उसके फोन से कुछ अहम जानकारियां मिल सकती हैं।

भारत की सीमा पर अबतक बिहार के 4 जवान हुए शहीद

पटना। हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद अबतक बिहार के चार जवान शहीद हो चुके है। जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में पाकिस्तान की गोलीबारी के दौरान बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज शहीद हो गए। वो छपरा के रहने वाले थे। जबकि सीवान के रहने वाले आर्मी जवान रामबाबू सिंह सीमा की सुरक्षा करते शहीद हो गये। उधर छत्तीसगढ़ में पोस्टेड जहानाबाद के रहने वाले सौरभ भी शहीद हो गये हैं। बीमारी के कारण सौरभ की मौत की बात कही जा रही है। देश के लिए अपनी जान गंवाने वालों में बिहार के एक और लाल का नाम शामिल हो गया। जो नवादा के कोआकोल के रहने वाले आर्मी जवान मनीष कुमार हैं। इनकी ड्यूटी जम्मू-कश्मीर की सीमा पर लगी थी। शहीद के पिता को सेना के कर्नल ने बेटे की शहादत की जानकारी दी। शहीद मनीष कुमार के पार्थिव शरीर को आज गुरुवार 15 मई को नवादा स्थित उनके पैतृक गांव में लाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर में घायल पाक सैनिक अब भी अस्पतालों में, दुख बांटने पहुंचे आसिम मुनीर और मरियम

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर का ऐसा असर हुआ है कि एक हफ्ते बाद भी पाक सैनिक अस्पतालों में भर्ती हैं। घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। भारतीय एयरफोर्स की सटीक बमबारी ने न सिर्फ आतंकियों का सफाया किया, पाकिस्तान की सैन्य कमर तोड़ दी—झटका इतना जबरदस्त था कि अब तक घायल अफसर और जवान अस्पतालों में कराह रहे हैं। पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने घायल सैनिकों का हालचाल लेने के लिए अस्पताल का दौरा किया। पाकिस्तान सेना के जवानों को देखने पहुंची मरियम नवाज घायलों के सिर पर हाथ रखकर उन्हें ढाढस बांधते नजर आई। उधर, मुनीर ने भी रावलपिंडी में मीलिट्री अस्पतालों का रुख किया और घायल जवानों से मुलाकात की। इन तस्वीरों ये यह स्पष्ट हो गया कि भारतीय सेना की सटीक रणनीति ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। साथ ही पाकिस्तान के उन दावों की भी पोल खुल गई कि भारतीय सैनिकों के हमले पाकिस्तान और सैनिकों पर ज्यादा वार नहीं कर पाए। पाक के 40 से ज्यादा जवान अफसर मारे गए भारतीय सेना प्रेस ब्रीफिंग में स्पष्ट कर चुकी है कि सेना ने पाकिस्तान की दुर्दशा की है। सेना ने बताया कि हमारा लक्ष्य आतंकी ठिकाने और आतंकवादी ही थे, लेकिन पाकिस्तानी सैनिकों ने इसे अपनी लड़ाई समझा और हम पर हमलों की नाकाम कोशिश की। इसके जवाब में हमारे वीर जवानों ने उनके सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। कई एयरबेस उड़ा दिए और हमले में पाक के 40 से अधिक जवान और अफसर मारे गए। आतंक के खिलाफ कड़ा प्रहार भारतीय सैन्य अधिकारियों ने इस ऑपरेशन को सटीकता और तत्परता से पूरा किया, जिससे पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ आतंकवादियों के खिलाफ भी सख्त संदेश दिया। पीएम मोदी ने भी 12 मई को राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट किया कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि पाकिस्तान के साथ अब सिर्फ आतंकवाद पर ही बात होगी। साफ कर दिया है कि देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आसिम मुनीर ने अस्पताल में घायल जवानों से मुलाकात के बाद एक बार फिर गीदड़भभकी दी है। मुनीर ने कहा कि 'हमारे दुश्मन कभी भी हमें झुका नहीं सकते। हमारी सेना के हौसले बुलंद हैं और हम दुश्मन का सामना करने के लिए हमेशा तैयार हैं।'

स्क्रीनशॉट को बताया अफवाह

बीजिंग, एजेंसी। चीनी रक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर सोमवार को एक रिपोर्ट जारी की गई। इसके मुताबिक इंटरनेट पर वाई-20 द्वारा पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति के बारे में कई तरह की सूचनाएं देखी गई हैं। इस तरह के सभी दावे झूठे हैं। पीएलएएफ ने गलत जानकारी से संबंधित कई फोटो और शब्दों के स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किए, प्रत्येक स्क्रीनशॉट को लाल रंग से 'अफवाह' लिख कर चिह्नित किया गया।

अमेरिका पहुंचे 49 श्वेत दक्षिण अफ्रीकी शरणार्थी, ट्रंप प्रशासन के किया स्वागत

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका से 49 श्वेत लोगों का एक समूह निजी चार्टर विमान से सोमवार को वाशिंगटन के बाहर डुलेस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, जिन्होंने अमेरिकी झंडा हाथ में पकड़ा था। इस समूह में बच्चे भी शामिल थे। अमेरिका पहुंचने पर उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ और होमलैंड सुरक्षा उप सचिव ट्रॉय एडगर ने उनका स्वागत किया। इस दौरान श्वेत लोगों ने कहा कि उन्हें अपने देश में भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ा। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की सरकार इस बात का दृढ़ता से खंडन करती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को पत्रकार वार्ता की। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि वे उन्हें हो रहे नरसंहार के कारण शरणार्थी के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रंगभेद के कारण दक्षिण अफ्रीका में, श्वेत किसानों को मार दिया जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि वे अगले सप्ताह इस मुद्दे पर दक्षिण अफ्रीका की सरकार से बात करेंगे।

ट्रंप प्रशासन को राहत, जज ने आईआरएस पर रोक लगाने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने इंटरनल रेवेल्यू सर्विस विभाग द्वारा इमीग्रेशन और कस्टम एनफोर्समेंट विभाग को अप्रवासियों का टैक्स डेटा साझा करने पर रोक लगाने वाली मांग को खारिज कर दिया है। अदालत के इस फैसले को ट्रंप प्रशासन के लिए राहत माना जा रहा है। एक गैर लाभकारी समूह ने यह याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि जो लोग टैक्स देते हैं, उनकी निजता का सम्मान किया जाना चाहिए। दरअसल इमीग्रेशन विभाग टैक्स डेटा का इस्तेमाल अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करने में कर रहा है। जिस जज ने मांग खारिज की है, उनकी नियुक्ति ट्रंप प्रशासन में हुई थी।

तुर्की रूस-यूक्रेन शांति वार्ता को हर कदम पर समर्थन देने के लिए तैयार : राष्ट्रपति एर्दोगन

अंकारा , एजेंसी। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति एर्दोगन के कार्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच हुई इस बातचीत में रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता को सुविधाजनक बनाने के लिए तुर्की की प्रतिबद्धता दोहराई गई। एर्दोगन ने इस बात पर जोर दिया है कि शांति का माहौल बनाने के लिए युद्धविराम आवश्यक है। दोनों पक्षों को संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से कूटनीतिक वार्ता के लिए मौजूद अवसर का लाभ उठाना चाहिए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक एर्दोगन ने शांति वार्ता के अवसर पर तुर्की में रूस और यूक्रेन प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी करने की इच्छा जाहिर की।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति एर्दोगन के कार्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच हुई इस बातचीत में रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता को सुविधाजनक बनाने के लिए तुर्की की प्रतिबद्धता दोहराई गई। एर्दोगन ने इस बात पर जोर दिया है कि शांति का माहौल बनाने के लिए युद्धविराम आवश्यक है। दोनों पक्षों को संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से कूटनीतिक वार्ता के लिए मौजूद अवसर का लाभ उठाना चाहिए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक एर्दोगन ने शांति वार्ता के अवसर पर तुर्की में रूस और यूक्रेन

प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी करने की इच्छा जाहिर की।तैयप एर्दोगन की जेलेंस्की के साथ यह बातचीत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हुई बातचीत के ठीक एक दिन बाद हुई है। इस दौरान एर्दोगन ने कहा कि तुर्की इस्तांबुल में फिर से रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की मेजबानी करने के लिए तैयार है। सोमवार की कैबिनेट की बैठक के बाद राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि तुर्की वैश्विक शांति और कूटनीति में एक महत्वपूर्ण किरदार बन गया है। एर्दोगन ने मध्यस्थता, मानवीय सहायता और संघर्ष समाधान की कोशिश में अपनी भूमिका पर जोर दिया। तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भी राष्ट्रपति के संदेश को दोहराते हुए कहा कि तुर्की रूस-यूक्रेन वार्ता को सुविधाजनक बनाने और मेजबानी करने के मामले में हर तरह का सहयोग और योगदान देने को तैयार है। सोमवार को अंकारा में अपने सीरियाई और जॉर्डन के समकक्षों के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिदान ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच प्रस्तावित बैठक के तौर-तरीकों के प्रारूप पर चर्चा जारी है। फिदान ने कहा, ÷यूक्रेन वार्ता शुरू होने से पहले युद्धविराम की मांग करता है, वहीं रूस युद्धविराम की घोषणा से पहले वार्ता शुरू करना पसंद करता है।÷ फिदान ने कहा, ÷दोनों पक्ष लगातार अमेरिकी समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हमारी स्थिति स्पष्ट है। हम दोनों पक्षों को युद्धविराम शुरू करने के लिए जल्द से जल्द एक साथ आने के लिए आमंत्रित करते हैं।÷

रविवार को क्रेमलिन में पत्रकारों को दिए गए एक बयान में पुतिन ने 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ सीधी वार्ता फिर से शुरू करने का प्रस्ताव रखा। पुतिन ने कहा कि रूस चल रहे संघर्ष के मूल कारणों को संबोधित करने और एक स्थायी और स्थिर शांति के लिए आधार तैयार करने के लिए यूक्रेन के साथ गंभीर वार्ता के लिए तैयार है। इसके जवाब में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि यह एक सकारात्मक संकेत है कि रूस ने युद्ध को समाप्त करने पर विचार करना शुरू कर दिया है। हालांकि जेलेंस्की ने शांति वार्ता से पूर्व युद्धविराम की आवश्यकता बताई। 2022 में भी रूस और यूक्रेन के वार्ताकारों के बीच इस्तांबुल में बातचीत की गई थी लेकिन ये वार्ता जारी युद्ध को रोकने में विफल रही थी।

लैटिन अमेरिका को अरबों देकर भी चीन का जबरदस्त फायदा ?

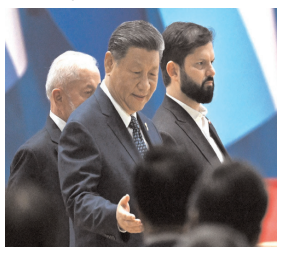

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका और चीन ने व्यापार युद्ध में नरमी दिखाते हुए आपसी सहमति से एक-दूसरे के ज्यादातर सामानों पर लगाए गए भारी आयात शुल्क को फिलहाल टाल दिया है। जब दुनिया अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर की अनिश्चितता से जूझ रही थी, तब राष्ट्रपति शी जिनपिंग चुपचाप एक और मोर्चे पर चाल चल रहे थे। ट्रंप से समझौता होते ही चीन ने लैटिन अमेरिका के लिए अपना खजाना खोल दिया, लेकिन अपनी शर्तों पर। लगभग 10 अरब डॉलर (करीब 83 हजार करोड़ रुपए) की क्रेडिट लाइन देकर चीन ने सिर्फ मदद का हाथ नहीं बढ़ाया, बल्कि एक बड़ा रणनीतिक दांव चला है।

चीन की स्कीम क्या है : चीन ने लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों को विकास सहायता के रूप में लगभग 10 अरब डॉलर (यूएसडी के समतुल्य) की क्रेडिट लाइन देने का ऐलान किया है, लेकिन यह राशि अमेरिकी डॉलर में नहीं, बल्कि चीनी मुद्रा युआन में दी जाएगी। यह घोषणा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चाइना-सीलैक (फोरम के एक सम्मेलन के दौरान की। चीन ने कहा कि वह लैटिन अमेरिका के विकास में मदद करेगा – लेकिन शर्त है कि ये मदद युआन में होगी, न कि डॉलर में।

चीन की 3 बड़ी चाल : युआन को बनाना नया डॉलर- चीन चाहता है कि वैश्विक लेनदेन में युआन का इस्तेमाल बढ़े। जब लैटिन अमेरिका युआन में कर्ज लेगा, तो व्यापार और आयात भी युआन में होगा। इससे डॉलर पर निर्भरता घटेगी और युआन की वैश्विक पकड़ बढ़ेगी।

बेल्ट एंड रोड की नई शाखा- यह फाइनेंसिंग चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है, जिसके ज़रिए वह विकासशील देशों में सड़क, रेल और बंदरगाह जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर बनाकर अपना आर्थिक व राजनीतिक प्रभाव बढ़ा रहा है। सॉफ्ट पॉवर और स्ट्रैटेजिक पकड़- चीन ने 5 देशों को वीज़ा-फ्री यात्रा की सुविधा भी देने की बात की है। यह डिप्लोमैटिक सॉफ्ट पॉवर का हिस्सा है – जिससे लैटिन देशों में चीन की छवि एक मददगार नेता की बनेगी।

नेशनल पार्क में चढ़ाई के दौरान हुआ हादसा, तीन पर्वतारोहियों की मौत

सिएटल , एजेंसी। सिएटल के उपनगरीय इलाके नॉर्थ कैसकेड्स में रविवार को हुए एक हादसे में तीन पर्वतारोहियों की मौत हो गई। दरअसल पर्वतारोही रविवार को नॉर्थ कैसकेड पार्क में पहाड़ों पर चढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान चार पर्वतारोहियों की एक टीम एक सीधी पहाड़ी पर चढ़ाई कर रही थी, उसी दौरान कुछ ऐसा हुआ कि चारों पर्वतारोही नीचे गिरने लगे। एक पर्वतारोही ने जैसे तैसे खुद को बचा लिया, लेकिन बाकी तीन नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची और हादसे का शिकार हुए लोगों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया।

ब्रिटिश पीएम के लंदन वाले घर में लगी आग, आतंकवाद विरोधी पुलिस ने संभाली जांच की जिम्मेदारी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के उत्तरी लंदन स्थित घर में सोमवार तड़के आग लग गई। पुलिस और दमकल विभाग इस मामले की जांच कर रहे हैं। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में किसी को चोट नहीं पहुंची, लेकिन घर का मुख्य दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना 12 मई को रात करीब 1:11 बजे हुई। लंदन फायर ब्रिगेड को एक मकान के बाहर आग लगने की सूचना मिली।

पाकिस्तानी फर्म से अमेरिकी सैटेलाइट कंपनी ने पार्टनरशिप खत्म की

वाशिंगटन, एजेंसी। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले से पहले इस इलाके की सैटेलाइट तस्वीरें ली गई थीं। अमेरिका की स्पेस टेक कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजीस को पहलगाम और उसके आस-पास के इलाकों की हाई- रेजोल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरें देने के लिए बड़ी मात्रा में ऑर्डर मिले थे। द प्रिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार 2 से 22 फरवरी 2025 के बीच, मैक्सार टेक्नोलॉजीस को कम से कम 12 ऑर्डर मिले। यह सामान्य संख्या से दुगुना था। इस कंपनी के ग्राहकों में पाकिस्तान की बिजनेस सिस्टम्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल थी। इस कंपनी का नाम अमेरिका में हुए संघीय अपराधों से जुड़ा हुआ है। अब मैक्सार टेक्नोलॉजीस ने क्स्द्ध से अपनी पार्टनरशिप खत्म कर दी है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार डेटा से यह स्पष्ट नहीं है कि पहलगाम की सैटेलाइट तस्वीरों के ऑर्डर क्स्द्ध ने दिए थे या नहीं। पहलगाम की सैटेलाइट तस्वीरों के लिए ऑर्डर जून 2024 से ही आने लगे थे। मैक्सार पोर्टल के एक्सेस में पहलगाम के अलावा जम्मू-कशमीर के पुलवामा, अनंतनाग, पुंछ, राजौरी और बारामूला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के सैटेलाइट इमेज मिलें। हर एक सैटेलाइट तस्वीर की कीमत 3 लाख रुपए से शुरू होती है और रेजोल्यूशन के अनुसार इनकी कीमत बढ़ती जाती है। पहलगाम हमले से दस दिन पहले एक ऑर्डर मिला था अब तक यह साफ नहीं है कि ये तस्वीरें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमलों की प्लानिंग में इस्तेमाल हुईं या नहीं, लेकिन भारत मैक्सर से यह जांच कराने को कह सकता है कि ये तस्वीरें किसने और क्यों मंगवाईं थी। फरवरी 2025 में पहलगाम की सैटेलाइट इमेज के सैटेलाइट फ्रीक्वेंसी रेंज से ऑर्डर की संख्या सबसे ज्यादा रही। 12, 15, 18, 21 और 22 फरवरी को इमेज खरीदे गए। मार्च में कोई

ऑर्डर नहीं आया। इसके बाद 12 अप्रैल को, हमले से ठीक दस दिन पहले एक ऑर्डर मिला। इसके बाद 24 और 29 अप्रैल को भी इमेज के लिए दो ऑर्डर आए। उसके बाद से कोई नया ऑर्डर नहीं दिया गया। मैक्सार टेक्नोलॉजीस भारत की कई सरकारी एजेंसियों से जुड़ी है मैक्सार टेक्नोलॉजीस अपने बेहतर सैटेलाइट इमेज के लिए जानी जाती है। यह 30ष्द्ध से लेकर 15ष्द्ध तक की पिक्सेल रेजोल्यूशन वाली हाई-डेफिनिशन इमेज देती हैं। भारत में रक्षा मंत्रालय और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन सहित कई सरकारी एजेंसियां मैक्सर से जुड़ी हैं। कम से कम 11 भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप और कंपनियां मैक्सार टेक्नोलॉजीस की कस्टमर और पार्टनर है। इन हाई-रेजोल्यूशन इमेज का इस्तेमाल आमतौर पर सेना संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए करती है। इसके अलावा हथियारों की तैनाती और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास की निगरानी, घुसपैठ और तस्करी को रोकने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। बीएसआई के मालिक ओबैदुल्लाह सईद को एक साल की सजा हुई थी अमेरिकी अधिकारियों ने इससे पहले बीएसआई के मालिक ओबैदुल्लाह सईद पर अमेरिका से पाकिस्तान एटॉमिक एनर्जी कमीशन को हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटर इक्विपमेंट और सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन समाधान अवैध रूप से देने का आरोप लगाया था। यह एजेंसी विस्फोटक और परमाणु हथियारों के पुर्जे डिजाइन करने के साथ उनका टेस्ट करती है। साथ ही ठोस ईंधन वाली बैलिस्टिक मिसाइलें भी विकसित करती है। मामले में ओबैदुल्लाह को एक साल की सजा हुई थी।

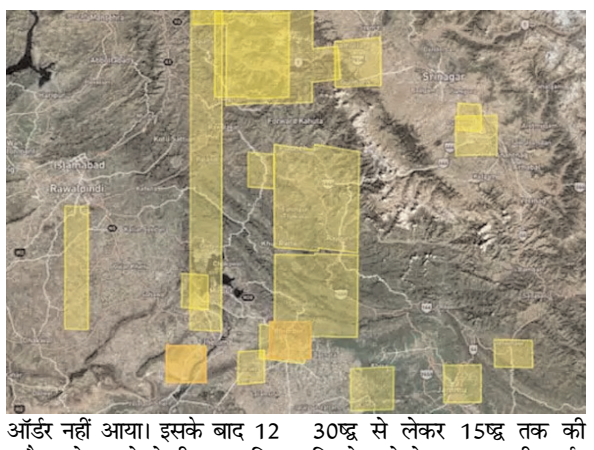

मेयर पद की उम्मीदवार समेत चार की गोली मारकर हत्या, लाइव स्ट्रीमिंग में कैद हुई पूरी घटना

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको की मेयर पद की उम्मीदवार समेत चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मेयर पद की उम्मीदवार येसेनिया लारा गुटेरेज को गोली उस वक्त मारी गई, जब वे मेयर चुनाव के लिए प्रचार कर रहीं थी। मेयर उम्मीदवार की हत्या की घटना फेसबुक पर पोस्ट लाइव स्ट्रीमिंग में दर्ज हो गई। वीडियो में दिख रहा है कि येसेनिया लारा गुटेरेज प्रचार के दौरान लोगों से मिल रहीं थी। इस दौरान उनके समर्थकों ने उन्हें घेरा हुआ था।

लाइव स्ट्रीमिंग में कैद हुई हत्या की घटना : गुटेरेज जब लोगों से मिलते हुए सड़क से गुजर रहीं थी। इसी दौरान हमलावरों ने उन पर गोली चला दी। इस दौरान कुल 20 राउंड फायरिंग हुई, जिसमें मेयर पद की उम्मीदवार गुटेरेज समेत कुल चार लोगों की मौत हो गई। घटना मैक्सिको के वेराक्रूज की है।

मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने हमले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हत्या की वजह अभी साफ नहीं है। इसकी जांच की जा रही है। येसेनिया गुटेरेज, मैक्सिको की राष्ट्रपति की पार्टी मोरेना पार्टी की सदस्य थीं। गोलीबारी की घटना में कुल चार लोगों की मौत समेत तीन अन्य लोग घायल भी हुए हैं। मेयर पद के लिए मतदान एक जून को होना था। जांच एजेंसियां हत्या के मामले की जांच में जुट गई हैं।

मैक्सिको में राजनीतिक हिंसा का इतिहास : मैक्सिको में चुनाव के दौरान उम्मीदवारों पर हमले का पुराना इतिहास है। साल 2024 में मैक्सिको में रिकॉर्ड नंबर में राजनीतिक-आपराधिक हिंसा में लोगों की जान गई थी। इस दौरान 661 लोगों और प्रतिष्ठानों पर हमले हुए। जिन पर हमले हुए, वो या तो स्थानीय नगर निगम में अहम पदों पर थे या फिर चुनाव लड़ रहे थे। बीते साल मई में भी मैक्सिको के गुएरो शहर में मेयर पद के उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके कुछ दिन बाद ही कोटिजा शहर की मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अक्तूबर में चिलपैनकिंगो शहर के मेयर की भी हत्या कर दी गई थी।

आम चुनाव में जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई कैबिनेट का शपथ ग्रहण, पहले दौरे पर इंडोनेशिया जाएंगे एल्बानीज

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई चुनाव में दमदार जीत के बाद मंगलवार को नई सरकार की कैबिनेट का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। चुनाव में एंथनी एल्बानीज के नेतृत्व में सेंटर लेफ्ट लेबर पार्टी ने जीत दर्ज की है। अभी भी वोटों की गिनती जारी है। ऑस्ट्रेलियाई संसद की कुल 150 सीटों में से लेबर पार्टी 92 से 95 सीटें जीत सकती है। पिछले चुनाव में लेबर पार्टी ने 78 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पहले विदेश दौरे पर इंडोनेशिया जाएंगे एंथनी एल्बानीज विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी को सिर्फ 41 सीटों से संतोष करना पड़ा है और यह पार्टी के सबसे खराब प्रदर्शनों में से एक है। पार्टी ने मंगलवार को सूसन ले को अपना नया नेता चुन लिया क्योंकि पूर्व नेता पीटर डटन अपनी संसदीय सीट पर भी चुनाव हार गए, जिसके बाद उन्हें पार्टी के नेता का पद छोड़ना पड़ा। कैबिनेट के शपथ ग्रहण के बाद मंगलवार को ही कैबिनेट की पहली बैठक हुई। प्रधानमंत्री एंथनी एल्बानीज बुधवार को अपने नए कार्यकाल के पहले विदेश दौरे पर इंडोनेशिया जा रहे हैं। वहीं से वे रोम के लिए रवाना होंगे, जहां वे नए पोप लियो 14वें के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। रोम में एंथनी एल्बानीज दुनिया के कई नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। जिनमें कनाडा के नए पीएम मार्क कार्नी भी शामिल हैं। नई कैबिनेट में बड़े बदलाव नहीं एंथनी एल्बानीज की नई कैबिनेट में 30 नाम शामिल हैं। नई कैबिनेट में उनकी पिछली सरकार में उद्योग और

विज्ञान मंत्री रहे एड ह्युसिक को जगह नहीं मिली है। ह्युसिक ने आरोप लगाया है कि इस्राइल की आलोचना करने के लिए उन्हें कैबिनेट में जगह नहीं दी गई है। ह्युसिक बोस्नियाई मूल के मुस्लिम नेता हैं। ऑस्ट्रेलिया की नेशनल इमाम काउंसिल के सलाहकार बिलाल रऊफ ने पीएम एल्बानीज से जवाब मांगा है कि क्या ह्युसिक को इस्राइल की आलोचना करने के चलते कैबिनेट से बाहर किया गया है? एंथनी एल्बानीज की नई कैबिनेट में किसी यहूदी नेता को जगह नहीं मिली है। कुछ बदलाव के अलावा एंथनी एल्बानीज की नई कैबिनेट पिछली कैबिनेट जैसी ही है।

अपने नुकसान को छिपाने में जुटा पाकिस्तान, अमेरिका के भरोसे करना चाहता है भरपाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत ने चार दिन में ही पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया। इसके बाद अब पाकिस्तान किसी तरह से अपने नुकसान को छिपाने की कोशिश में लगा हुआ है। दूसरी तरफ वह यह भी कबूल कर रहा है कि उसे जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई अमेरिका के साथ ट्रेड डील से हो जाएगी। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने कहा कि युद्ध में इतना नुकसान नहीं हुआ कि फिर से इकनॉमिक असेसमेंट करना पड़े। बता दें कि पाकिस्तान की हालत पहले से ही इतनी खराब है कि वहां की आवाम को रोटियों के लाले हैं। ऐसे में पाकिस्तान की सरकार का यह बड़बोलापन आसानी से समझा जा सकता है। औरंगजेब ने कहा, अमेरिका के साथ ट्रेड डील नेभी दोनों देशों में सीजफायर करवाने में बड़ी भूमिका निभाई है। जल्द ही यह आगे बढ़ सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ ट्रेड डील को आगे बढ़ाएगा। अब इसको लेकर पाकिस्तान इतराने लगा है। अमेरिका ने पाकिस्तान पर 29 फीसदी टैरिफ लगाया था। हालांकि 90 दिन की राहत मिलने की वजह से यह टैरिफ लागू नहीं किया गया है। पाकिस्तान अपनी आदत के मुताबिक दुनियाभर में भीख मांगकर काम चला रहा है। भारत से तनाव के बीच भी उसे

आईएमएफ से 1.4 अरब डॉलर का कर्ज मिला। अगले ही महीने पाकिस्तान सरकार बजट का ऐलान करेगी। औरंगजेब से जब सेना के बजट को बढ़ाने की बात पूछी गई तो वह कन्नी काट गए। दरअसल पाकिस्तान कर्ज पर ही चल रहा है। ऐसे में रक्षा बजट बढ़ाना भी टेढ़ी खीर है। चार दिन के बाद ही पाकिस्तान घुटनों पर आ गया और वह अमेरिका समेत कई देशों से सीजफायर करवाने की मिन्नतें करने लगा। भारत ने कहा कि वह कभी युद्ध नहीं चाहता है। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने सोमवार को ''शत्रुतापूर्ण'' सैन्य कार्रवाइयों से बचने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया और सीमा व अग्रिम क्षेत्रों से अपने-अपने सैनिकों की संख्या में कमी लाने के लिए तत्काल कदम उठाने पर सहमति जाहिर की। इस संबंध में एक बयान में कहा गया कि दोनों अधिकारियों ने 'हॉटलाइन' पर हुई बातचीत में दोनों पक्षों की ओर से गोलीबारी नहीं करने या एक-दूसरे के खिलाफ कोई ''आक्रामक और शत्रुतापूर्ण'' कार्रवाई से बचने की प्रतिबद्धता को कायम रखने पर ध्यान केंद्रित किया। दोनों देशों के डीजीएमओ द्वारा सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति जाहिर करने के दो दिन बाद हुई।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सावरकुंडला में सूदखोरों के अत्याचार से व्यापारी ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट के आधार पर 10 प्रतिशत ब्याज वसूलने वाले बीजेपी उपाध्यक्ष सहित 8 लोगों के खिलाफ शिकायत, पुलिस ने 2 को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सावरकुंडला शहर के गांधी चौक में मिठाई और नमकीन की दुकान चलाने वाले एक व्यापारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी जेब से मिली सुसाइड नोट में खुलासा हुआ कि उन्होंने सूदखोरों की प्रताड़ना के चलते यह कदम उठाया।

सुसाइड नोट में बताया गया कि सावरकुंडला शहर बीजेपी उपाध्यक्ष भावेश विकमा ने व्यापारी को एक लाख रुपये 10 प्रतिशत मासिक ब्याज पर दिए थे। वहीं समाज के प्रमुख बीपिन शेलार ने 9 लाख रुपये ऊंचे ब्याज पर देकर कोरे चेक ले लिए थे। इस घटना के बाद बीजेपी ने शहर उपाध्यक्ष को पार्टी से बर्खास्त कर दिया है।

पुलिस ने कुल 8 सूदखोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की है, जिसमें से दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। व्यापारी पर शहर के बीजेपी उपाध्यक्ष सहित आठ लोगों ने भारी ब्याज वसूला था। इन सभी ने पैसे देकर व्यापारी को धमकी दी कि वे उसकी संपत्ति हड़प लेंगे। इसी मानसिक दबाव के चलते व्यापारी ने अपने घर पर फांसी लगाकर जान दे दी। यह दर्दनाक घटना सावरकुंडला के देवला गेट इलाके में घटी।

कड़िया जाति और फर्साण एसोसिएशन के अग्रणी तथा गांधी चौक पर मिठाई और नमकीन की दुकान चलाने वाले अशोकभाई छगनभाई चौहान (उम्र 47) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब वे घर पर अकेले थे, तब उन्होंने छत के हुक में चुंदड़ी बांधकर फांसी लगा ली।

उन्हें नीचे उतारकर सावरकुंडला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद परिजनों द्वारा अंतिम संस्कार किया गया।

उनकी जेब से एक सुसाइड नोट भी मिली, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि सावरकुंडला शहर बीजेपी उपाध्यक्ष और होथीभाई शेरी में रहने वाले भावेश गोलणभाई विकमा ने उन्हें एक लाख रुपये हर महीने 10 प्रतिशत ब्याज पर दिए थे।

इसके अलावा मूलतः करजाला के और वर्तमान में सावरकुंडला में रह रहे समाज के प्रमुख बीपिन धीरुभाई शेलार ने 9 लाख रुपये ऊंचे ब्याज पर देकर कोरे चेक लिखवाए थे।

सावरकुंडला के देवला गेट इलाके में रहने वाले महेन्द्र नरोतमभाई नथवाणी पिछले 5 वर्षों से 2 लाख रुपये पर हर महीने 6 हजार रुपये ब्याज वसूल रहे थे। इसके अलावा, देवला गेट के निरव खेराज ने 2.5 लाख पर हर महीने 8 प्रतिशत ब्याज वसूल किया था। यहां के मुकेश शिवलाल नथवाणी से व्यापारी ने 3 लाख लिए थे और 6 लाख ब्याज चुका देने के बाद भी मूल रकम बाकी थी। हाथसणी रोड पर रहने वाला जीतू मनुभाई वाला 2 लाख पर हर महीने 8,000 ब्याज वसूलता था, जबकि उसका पिता मनु भीमभाई वाला 6 लाख पर हर महीने 30,000 ब्याज लेता था। हाथसणी रोड का रघु खुमाण सभी से ब्याज वसूलने का काम करता था और संपत्ति हड़पने की धमकियाँ देता था। इन सभी की प्रताड़ना से तंग आकर व्यापारी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सभी 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सुसाइड नोट में उल्लेखित सूदखोर

1. **भावेश गोलणभाई विकमा सावरकुंडला शहर बीजेपी उपाध्यक्ष** – 1 लाख पर हर महीने 10% ब्याज वसूलते थे।
2. बीपिन धीरुभाई शेलार 9 लाख ऊँचे ब्याज पर देकर कोरे चेक लिखवाए थे।
3. महेंद्र नरोतमभाई नथवाणी 2 लाख पर हर महीने 6,000 ब्याज वसूलते थे।
4. **निरव खेराज 2.5 लाख पर हर महीने 8% ब्याज वसूलते थे।**
5. मुकेश शिवलाल नथवाणी 3 लाख पर 6 लाख ब्याज चुका दिए गए,फिर भी मूल रकम बाकी।
6. जीतू मनुभाई वाला 2 लाख पर हर महीने 8,000 ब्याज वसूलते थे।
7. मनु भीमभाई वाला 6 लाख पर हर महीने 30,000 ब्याज वसूलते थे।
8. रघु खुमाण सभी से ब्याज वसूलता था और संपत्ति हड़पने की धमकी देता था।

सावरकुंडला के व्यापारी ने शहर बीजेपी उपाध्यक्ष समेत 8 सूदखोरों की प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सावरकुंडला के गांधी चौक में मिठाई और नमकीन की दुकान चलाने वाले व्यापारी को शहर बीजेपी उपाध्यक्ष समेत आठ लोगों ने भारी ब्याज पर पैसे देकर उसका खून चूस लिया और संपत्ति हड़पने की धमकियाँ देने लगे। इससे तंग आकर व्यापारी ने अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सूदखोरों की प्रताड़ना से व्यापारी की आत्महत्या की यह घटना सावरकुंडला के देवला गेट इलाके में हुई। कड़िया जाति और फर्साण एसोसिएशन के अग्रणी तथा गांधी चौक पर मिठाई और नमकीन की दुकान चलाने वाले अशोकभाई छगनभाई चौहान (उम्र 47) ने घर में अकेले रहते समय छत के हुक में चुंदड़ी बांधकर फांसी लगा ली।

उन्हें नीचे उतारकर सावरकुंडला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लेकिन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें उन्होंने लिखा कि सावरकुंडला शहर के भाजपा उपाध्यक्ष और होथीभाई शेरी में रहने वाले भावेश गोलणभाई विकमा ने उन्हें हर महीने 10त्न ब्याज पर एक लाख रुपये दिए थे। इसके अलावा मूल रूप से करजाला के रहने वाले और वर्तमान में कुंडला में रह रहे नाई समाज के प्रमुख बीपीन धीरुभाई शेलार ने उन्हें 9 लाख रुपये ऊँचे ब्याज पर दिए और बदले में कोरे चेक ले लिए थे।

सावरकुंडला के देवला गेट पर रहने वाले महेन्द्र नरोतमभाई नथवाणी पिछले 5 साल से 2 लाख रुपये पर हर महीने 6 हजार ब्याज वसूल रहे थे। इसके अलावा देवला गेट के ही निरव खेराज 2.5 लाख रुपये पर हर महीने 8त्न ब्याज वसूलते थे। वहीं के मुकेश शिवलाल नथवाणी को 3 लाख रुपये पर 6 लाख ब्याज चुका देने के बावजूद मूल राशि बाकी थी।

हाथसणी रोड पर रहने वाले जीतू मनुभाई वाला 2 लाख पर हर महीने 8 हजार और उसका पिता मनु भीमभाई वाला 6 लाख रुपये पर हर महीने 30 हजार रुपये ब्याज वसूलते थे। हाथसणी रोड के रघु खुमााण सभी सूदखोरों का ब्याज इकट्ठा करने का काम करता था और संपत्ति हड़पने की धमकी देता था, जिससे परेशान होकर व्यापारी ने आत्महत्या कर ली।

उंचा ब्याज, डायरी और किराए पर पैसों का दो नंबर का धंधा

पुलिस ने इन सभी 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कुछ दिन पहले ही सावरकुंडला में एएसपी ने सूदखोरों के खिलाफ लोक दरबार आयोजित किया था, लेकिन पुलिस की यह कार्रवाई भी व्यापारी को आत्महत्या करने से नहीं रोक सकी। क्योंकि लोग सूदखोरों के खिलाफ शिकायत करने से डरते हैं।

सावरकुंडला में कुछ सूदखोर सीधे ही ऊंचे ब्याज पर गैरकानूनी रूप से पैसा उधार दे रहे हैं। कुछ सूदखोर डायरी चला रहे हैं, जिसमें रोजाना रकम वसूली जाती है।

भारतीय सेना के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा, महिलाओं ने सिर पर भरा सिंदूर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भारतीय सेना के सम्मान और गौरव को समर्पित एक विशेष तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने अपने सिर पर सिंदूर भरा, जो देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों के प्रति श्रद्धा और समर्थन का प्रतीक माना गया। यात्रा में तिरंगे झंडे लहराते हुए लोगों ने 'जय हिन्द' और 'भारत माता की जय' के नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया।

ऑपरेशन सिंधूर में पाकिस्तान की सेना को धूल चटा देने वाले भारतीय जवानों के सम्मान में पूरे देश के साथ-साथ सूरत में भी आज तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बीजेपी के साथ नागरिक समिति, विभिन्न एनजीओ और जागरूक नागरिकों ने भाग लिया। यह यात्रा भागल चौक से किला तक निकाली गई।

यात्रा में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए। वहीं, यात्रा में शामिल महिलाओं ने अपने माथे पर सिंदूर भरकर अपनी खुशी और गर्व व्यक्त किया। यह तिरंगा यात्रा देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रही और भारतीय जवानों के शौर्य को समर्पित रही।

देशभक्ति के नारे लगे भागल चार रास्ते से निकली इस यात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय कैबिनेट मंत्री सी.आर. पाटिल, सांसद, विधायक, मेयर, स्टैंडिंग चेयरमैन, पदाधिकारी और सभी पार्षद उपस्थित रहे। इस तिरंगा यात्रा को लेकर शहर के सभी वार्डों में भाजपा द्वारा बैठकें आयोजित की गई थीं। यात्रा में प्रदेश और शहर के पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारी, वार्ड संगठन, विभिन्न मोर्चा और सेल के पदाधिकारी, सभी बूथ के कन्वीनर, पेज प्रमुख और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। नागरिक समिति द्वारा आयोजित इस यात्रा में विभिन्न एनजीओ, स्कूल-कॉलेजों के छात्र, शिक्षक, डॉक्टर, बिल्डर और व्यापारी भी शामिल हुए। यह यात्रा राष्ट्रभक्ति के गीतों और नारों के साथ संपन्न हुई। कुछ रास्तों को डायवर्ट किया गया

इस यात्रा के दौरान कोई अनचाही घटना न हो, इसके लिए पुलिस द्वारा कड़ा सुरक्षा बंदोबस्त किया गया है। तिरंगा यात्रा भागल चार रास्ता से निकली है और रात 8॰30 बजे चौकबाजार स्थित गांधीजी की प्रतिमा के पास समाप्त होगी। इस यात्रा के चलते भागल के पास के कुछ रास्तों को डायवर्ट किया गया है। यात्रा महिधरपुरा, लालगेट और अठवा पुलिस क्षेत्र से होकर गुजरेगी, इसलिए स्थानीय पुलिस ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात किया है।

23 स्कूलों की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू

फायर NOC और मॉकड्रिल रिपोर्ट पेश करने में विफल स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई

'दोनों दस्तावेजों के बिना कक्षा 10 और 12 का परिणाम नहीं मिलेगा'-DEO

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर और जिले में स्थित 23 निजी प्राथमिक स्कूलों की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ये सभी स्कूल फायर NOC और मॉकड्रिल रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करने में विफल रहे हैं। फिलहाल कक्षा 10 और 12 के छात्रों की मार्कशीट प्राप्त करने के लिए स्कूल प्रबंधक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंच रहे हैं, लेकिन शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि जो स्कूल ये महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करेंगे, उन्हें छात्रों का परिणाम ही नहीं दिया जाएगा।

मार्कशीट के लिए NOC अनिवार्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने सभी स्कूल प्रबंधकों को स्पष्ट रूप से बताया है कि फायर सेफ्टी को लेकर हाईकोर्ट के आदेश और राज्य शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुसार अब परिणाम (मार्कशीट) प्राप्त करने के लिए स्कूलों को फायर NOC और मॉकड्रिल रिपोर्ट देना अनिवार्य है। इन दो दस्तावेजों के बिना किसी भी स्कूल को कक्षा 10 और 12 के छात्रों का परिणाम नहीं दिया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी भगीरथ परमार ने बताया कि सूरत जिले में कक्षा 10 और 12 की परीक्षा समाप्त होने के बाद विद्यार्थी और स्कूल प्रबंधक मार्कशीट के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचते हैं। सभी को निर्देश दिया गया है कि जब वे मार्कशीट लेने आएं, तो स्कूल प्रबंधकों को फायर ह्लह्र्ष्ट और मॉकड्रिल रिपोर्ट के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है।

स्कूलों ने दिखाई लापरवाही भरी रवैया

जब स्कूल प्रबंधकों से फायर NOC और मॉकड्रिल रिपोर्ट मांगी गई, तब 23 ऐसे स्कूल सामने आए जिन्होंने अब तक ऐसा कोई प्रमाणपत्र न तो प्राप्त किया है और न ही अपडेट करवाया है। कुछ स्कूलों ने तो पुराने दस्तावेज प्रस्तुत किए, जो अमान्य और अधूरे पाए गए। शिक्षा विभाग ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच और नोटिस देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने अब ऐसे स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्रकारों, नगरसेवकों, शिक्षाविदों और वर्ग-1/2 अधिकारियों की एक समिति गठित की है। यह समिति स्कूलों का दौरा कर जांच करेगी और स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रिपोर्ट तैयार करेगी। जिन स्कूलों के पास फायर NOC नहीं होगी, उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

शिक्षा विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसे मामलों में और भी सख्त रुख अपनाया जाएगा। फायर सुरक्षा जैसी महत्वपूर्ण बातों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो स्कूल अब तक फायर NOC प्राप्त करने में असफल रहे हैं, उन्हें तुरंत प्रमाणपत्र जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा उनके छात्रों को परिणाम (मार्कशीट) से वंचित रहना पड़ सकता है।

शहर के हाथीजण क्षेत्र में राधे रेजीडेंसी में कुत्ते के हमले की घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद नगर निगम के सीएनसीडी विभाग द्वारा उस कुत्ते का कब्जा लिया जाएगा, जिसने बच्ची की मौत का कारण बना। दाणीलिमड़ा स्थित वेलनेस सेंटर में कुत्ते को रखा जाएगा और उसका हेल्थ रिपोर्ट तैयार किया जाएगा। कुत्ते के हमले के संबंध में सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। डॉग रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाएगा, और यदि भविष्य में ऐसी कोई घटना होती है, तो सीएनसीडी विभाग द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

अहमदाबाद ग्रामीण के ष्ठङ्कस्क्क आस्था राणा ने बताया कि हाथीजण में जो कुत्ता हमलावर था, उसका नाम च्र्रॉकीज्ञ है। कुत्ते का मालिक दिलीप पटेल है, जिसने कुत्ते का रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया था। कुत्ते के मालिक दिलीप पटेल के खिलाफ क्चहृस् की धारा 106(1) (लापरवाही से किसी की मौत होना) और धारा 291 (कृत्य के बावजूद मौत की संभावना के बावजूद ऐसा कृत्य करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। धारा 106(1) में 5 साल की सजा का प्रावधान है, जबकि धारा 291 में 6 महीने की सजा का प्रावधान है। नियम के अनुसार, कुत्ते के मालिक को रजिस्ट्रेशन और वैक्सीनेशन कराना अनिवार्य है। यह कुत्ता पहले भी लोगों को काट चुका है। सीसीटीवी फुटेज और आरोपी के बयान के आधार पर, जो महिला कुत्ता लेकर आई थी, उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

क्या कुत्ते के मालिक की गिरफ्तारी की जा सकती है?

भारतीय दंड संहिता की धारा 289 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति किसी पशु का मालिक है और वह उसके साथ लापरवाही से व्यवहार करता है, जिसके कारण वह पशु अन्य व्यक्ति को नुकसान पहुँचाता है या गंभीर चोट पहुँचाता है, तो पशु के मालिक को उस कृत्य के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। इसमें कुत्ते जैसे पशु को काबू में न रखना भी शामिल है, यदि मालिक को यह जानकारी हो कि कुत्ता अन्य व्यक्ति को नुकसान पहुँचा सकता है।

ACB ने PSI सहित 2 को रिश्वत लेते हुए पकड़ा।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी ग्रामीण पुलिस स्टेशन में एक पुलिसकर्मी 40 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया। उसने आरोपी से जमानत मिलने के बदले में रिश्वत की मांग की थी।

नवसारी ग्रामीण पुलिस स्टेशन में एक बड़ा रिश्वतखोरी का मामला सामने आया है। एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने PSI अमृतभाई मगनभाई वसावा और पुलिसकर्मी चिरागकुमार सुरेशभाई राठौड़ को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है।

इस मामले में शिकायतकर्ता एक प्रोहिबिशन केस में आरोपी थे। उन्होंने अदालत से अग्रिम जमानत प्राप्त की थी। जमानत के आधार पर गिरफ्तारी करके रिहा करने की प्रक्रिया के लिए क्कस्ढ्ढ वसावा ने 40,000 की मांग की थी। उन्होंने यह राशि पुलिसकर्मी राठौड़ को देने को कहा था।

शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार कर,ष्टक्च से संपर्क किया। ACB ने ट्रैप की योजना बनाई। छापेमारी के दौरान पुलिसकर्मी राठौड़ रिश्वत की राशि स्वीकार करते हुए रंगे हाथ पकड़े गए। हालांकि PSI वसावा मौके पर मौजूद नहीं थे। यह कार्रवाई ACB सूरत इकाई के पुलिस इंस्पेक्टर के.आर. सक्सेना के नेतृत्व में की गई। सहायक निदेशक आर.आर. चौधरी ने इसकी निगरानी की। इस मामले में दोनों आरोपियों ने एक-दूसरे की मदद से अपराध किया है, ऐसा सामने आया है।